AMBIKAPUR 12 JUNE 2024_Layout 2 6/11/2024 11:22 AM Page 1

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -221 बुधवार ,12 जून 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

ब्लूप्रिंट तैयार,अब होगा अंतिम प्रहार

चार्ज संभालते ही जयशंकर ने चीन-पाकिस्तान को दे दिया सदमा

» पूर्वी लद्दाख में चार साल से ज्यादा वक्त से जारी सीमा विवाद के कारण दोनों देशों के संबंधों में काफी तनाव आया है...विदेश मंत्री के रूप में कामकाज संभालने के कुछ ही समय बाद जयशंकर ने पाकिस्तान से होने वाले सीमापार आतंकवाद का जिक्र किया और कहा कि इस चुनौती से निपटने की कोशिशें की जाएंगी...

नई दिल्ली,11 जून 2024 (ए)। एस जयशंकरशपथ ग्रहण समारोह के बाद मोदी सरकार के मंत्रियों ने कमान संभाल ली है। चार्ज लेने के बाद ही मंत्री एक्शन में नजर आ रहे हैं. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अपने इरादे साफ करते हुए तीसरे टर्म में क्या-क्या होगा, उसकी तस्वीर भी साफ कर दी है। मंगलवार को जयशंकर ने कहा कि भारत, चीन के साथ सीमा पर बाकी मुद्दों को सुलझाने पर फोकस करेगा।

पूर्वी लद्दाख में चार साल से ज्यादा वक्त से जारी सीमा विवाद के कारण दोनों देशों के संबंधों में काफी तनाव आया है। विदेश मंत्री के रूप में कामकाज संभालने के कुछ ही समय बाद जयशंकर ने पाकिस्तान से होने वाले सीमापार आतंकवाद का जिक्र किया और कहा कि इस चुनौती से निपटने की कोशिशें की जाएंगी.।

जयशंकर के अलावा राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी और निर्मला सीतारमण समेत कुछ सीनियर बीजेपी नेताओं को वही जिम्मेदारी सौंपी गई हैं, जो 2019 में उनके पास थीं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत प्रथम और वसुधैव कुटुम्बकम भारतीय विदेश नीति के दो दिशा निर्देशक सिद्धांत होंगे। चीन के साथ संबंधों पर जयशंकर ने कहा कि उस देश की सीमा पर कुछ मुद्दे बने हुए हैं और उन्हें सुलझाने की कोशिश की जाएगी।. उन्होंने कहा, चीन को लेकर हमारा फोकस इस बात पर होगा कि बाकी मुद्दों को कैसे सुलझाया जाए।

भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच मई 2020 से गतिरोध जारी है और सीमा विवाद का पूरी तरह समाधान अभी तक नहीं हो पाया है. हालांकि, दोनों पक्ष कई टकराव वाले बिंदुओं से पीछे हट गए हैं।उन्होंने कहा, भविष्य की ओर देखते हुए, मैं निश्चित रूप से सोचता हूं कि प्रधानमंत्री ने हमें जो दो सिद्धांत दिए हैं- भारत प्रथम और वसुधैव कुटुम्बकम-ये भारतीय विदेश नीति के दो मार्गदर्शक सिद्धांत होंगे।

उन्होंने कहा, हम सभी को पूरा विश्वास है कि यह हमें विश्व बंधु के रूप में स्थापित करेगा।-एक ऐसा देश जो बहुत अशांत दुनिया में है, एक बहुत विभाजित दुनिया में है, संघर्षों और तनावों की दुनिया में है। . यह वास्तव में हमें एक ऐसे देश के रूप में स्थापित करेगा जिस पर कई लोगों का विश्वास है, जिसकी प्रतिष्ठा और प्रभाव बढ़ेगा, जिसके हितों को आगे बढ़ाया जाएगा। जयशंकर ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने पिछली सरकार में काफी अच्छा काम किया है और मंत्रालय में एक बार फिर काम करना उनके लिए गौरव की बात है।उन्होंने कहा, मेरे लिए यह बहुत सम्मान और सौभाग्य की बात है कि मुझे एक बार फिर विदेश मंत्रालय की अगुआई करने की जिम्मेदारी दी गई है। पिछले कार्यकाल में इस मंत्रालय ने वास्तव में असाधारण प्रदर्शन किया था।

पाकिस्तान को लेकर कही ये बात

पाकिस्तान को लेकर नई सरकार के रुख के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने अहम मुद्दे के रूप में सीमापार आतंकवाद के लिए पाकिस्तान के समर्थन के बारे में बताया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के साथ हमारा आतंकवाद का मुद्दा है -सीमा पार आतंकवाद- हम इसका समाधान कैसे ढूंढ़ सकते हैं.। यह एक अच्छे पड़ोसी की नीति नहीं हो सकती। विदेश मंत्री ने सरकार की विदेश नीति की प्राथमिकताओं के बारे में भी बताया।

अमरावती आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी होगी

हमारी राजधानी होगी। हम रचनात्मक राजनीति करेंगे, प्रतिशोध की राजनीति नहीं। विशाखापत्तनम राज्य की व्यावसायिक राजधानी होगी। हमारी सरकार में तीन राजधानियों की आड़ में कोई खेल नहीं होगा। विशाखापत्तनम ने पूर्ण जनादेश दिया है। हम रायलसीमा का विकास करेंगे, ताकि हमें एक शानदार जनादेश मिले। मालूम हो कि वाईएसआरसीपी सरकार ने दिसंबर 2019 में तीन राजधानियों के लिए एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें विशाखापत्तनम को कार्यकारी राजधानी, अमरावती को विधायी राजधानी और कुरनूल को न्यायिक राजधानी के रूप में नामित किया गया था।

» सीएम की शपथ लेने से पहले बोले चंद्रबाबू नायडू

नई दिल्ली,11 जून 2024(ए)। विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करने वाली तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री पद की शपथ से पहले आंध्र प्रदेश की राजधानी को लेकर बड़ा ऐलान किया है।तीन राजधानियों के जिक्र के बीच नायडू ने साफ कर दिया कि राज्य की सिर्फ एक राजधानी होगी।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से एक दिन पहले टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि अमरावती राज्य की एकमात्र राजधानी होगी। इसी के साथ नायडू ने पोलावरम परियोजना को भी पूरा करने का वादा किया।

बुधवार (12 जून) को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से पहले एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को घोषणा की कि अमरावती राज्य की एकमात्र राजधानी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि विशाखापत्तनम को आर्थिक राजधानी और एक एडवांस स्पेशल सिटी के तौर पर विकसित किया जाएगा।

तीन राजधानियों की आड़ में कोई खेल नहीं

चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि, अमरावती

सर्वसम्मति से चुना सदन का नेता

चंद्रबाबू नायडू ने विजयवाड़ा में आयोजित एनडीए विधायक दल की बैठक में राजधानी की घोषणा को लेकर बयाना दिया, जहां उन्हें सर्वसम्मति से सदन का नेता चुना गया। जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा, और इसका समर्थन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नवनिर्वाचित सांसद डी पुरंदेश्वरी ने किया।

आंध्र प्रदेश में 164 विधानसभा और 21 लोकसभा सीटों के बहुमत के साथ टीडीपी की शानदार जीत के बाद अमरावती एक बार फिर सुर्खियों में है, जिसने नायडू को राष्ट्रीय राजनीति में किंगमेकर की भूमिका में ला खड़ा कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने काउंसलिंग प्रक्रिया रोकने से किया इनकार

मगर एनटीए से मांगा जवाब

नईदिल्ली,11 जून 2024(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार 11 जून को नीट यूजी 2024 पेपर लीक के आरोपों पर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से जवाब मांगा है। हालांकि, कोर्ट हालांकि, कोर्ट ने मेडिकल कोर्स में दाखिले के लिए चल रही काउंसलिंग प्रक्रिया को रोकने से इनकार कर दिया। ऐसे में फिलहाल मेडिकल कोर्स में दाखिले की प्रक्रिया जारी रहेगी।

कोर्ट ने कहा- परीक्षा की पवित्रता से समझौता हुआ

यह मामला सुनवाई के लिए जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ के सामने आया। जस्टिस असमानुल्लाह ने सुनवाई के दौरान कहा, परीक्षा की पवित्रता से समझौता हुआ है, इसलिए हमें एनटीए से जवाब चाहिए। इसके बाद, जस्टिस विक्रम नाथ ने नोटिस जारी करते हुए कहा, एनटीए अपना जवाब दाखिल करेगा और काउंसलिंग प्रक्रिया जारी रहेगी।

इस याचिका में बिहार पुलिस द्वारा नीट यूजी 2024 पेपर लीक के आरोपों की जांच के बाद उठे सवालों का जिक्र है।

4 जून को जब नीट यूजी 2024 के नतीजे घोषित हुए, तो 67 छात्रों के 720/720 का परफेक्ट स्कोर हासिल हुआ था। इसके बाद नतीजों में गड़बड़ी को लेकर संदेह बढ़ गया था। 100 पर्सेंट स्कोर करने वाले 6 छात्र एक ही परीक्षा केंद्र से थे। इसके बाद रिजल्ट जारी करने में अनियमितता होने का मुद्दा गहराने लगा और जांच की मांग की जाने लगी

एनटीए पर ग्रेस मार्क देने में गड़बड़ी का आरोप

एनटीए पर मिस मैनेजमेंट, ग्रेस मार्क्स देने में गड़बड़ी करने और परीक्षा प्रक्रिया में खामियों के आरोप लगे हैं। इसके चलते बड़ी संख्या में छात्र निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से रिजल्ट जारी करने मांग कर रहे हैं। 10 जून को दिल्ली में छात्रों ने इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। वामपंथी छात्र संगठनों द्वारा आयोजित इस प्रदर्शन में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) के उपाध्यक्ष अविजित घोष ने स्वतंत्र जांच की मांग की थी।

एनटीए करेगा नीट यूजी के ग्रेस मार्क्स रिव्यू करेगा

नीट यूजी ने राजनीतिक हलकों में भी हलचल मचा दी है। कई नेता भी परीक्षा की प्रामाणिकता पर सवाल उठा रहे हैं और नए सिरे से परीक्षा की मांग कर रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए एनटीए ने घोषणा की है कि शिक्षा मंत्रालय ने 1,500 से अधिक उम्मीदवारों को दिए गए ग्रेस मार्क रिव्यू करने के लिए लिए चार सदस्यीय पैनल का गठन किया है। अब हृश्वश्वज्ञ त परीक्षा में टॉप रैंकिंग वाले छात्रों की संख्या में हुई वृद्धि के कारणों की जांच की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब एनटीए को इन आरोपों पर जवाब देना होगा और काउंसलिंग प्रक्रिया जारी रहेगी।

माता वैष्णों देवी के बाद अब अमरनाथ यात्रा को लेकर अलर्ट जारी

» घाटी में 150 से ज्यादा आतंकी एक्टिव

जम्मू ,11 जून 2024(ए)। जम्मू के रियासी इलाके में माता वैष्णों देवी जा रहे तीर्थ यात्रियों से भरी बस पर हुए आतंकी हमले के बाद कश्मीर घाटी में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। आतंकवादी अब सुरक्षा बलों की गाड़ियों के बदले आम जनता के वाहनों को निशाना बनाने लगे हैं। बता दें कि29 जून से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा को लेकर सख्त एलर्ट जारी किया गया है। विशेष सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस के महानिदेशक रश्मि रंजन स्वैन ने इस बात की पुष्टि की है कि कश्मीर घाटी में इस समय 70-80 विदेशी आतंकियों समेत 150 से ज्यादा आतंकी सक्रिय हैं।

उधमपुर रियासी रेंज के डीआईजी ईस मोहम्मद भट ने कहा कि आतंकी हमले के संबंध में हमें जो सुराग मिले हैं, उसके आधार पर हमने तलाशी शुरू कर दी है। हमारी 11 टीमें सक्रिय हैं। सभी सुरक्षा बल संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं। हमने कई लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया है। विश्लेषण और अन्य सुरागों के अनुसार, हमें लगता है कि इस हमले में लश्कर का हाथ है। मौजूदा समय में एक्स पर ऑल आईस ऑन रियासी ट्रेंड कर रहा है। यूजर्स ने कहा कि आशा है कि अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा।

मोहन मांझी होंगे ओडिशा के नए मुख्यमंत्री

» बीजेपी विधायक दल की बैठक में हुआ फैसला

भुवनेश्वर,11 जून 2024 (ए)। मोहन मांझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। बीजेपी विधायक दल की बैठक में मोहन मांझी को नेता चुना गया। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पर्यवेक्षक बनकर ओडिशा गए थे। जानकारी के मुताबिक, केवी देव सिंह डिप्टी सीएम होंगे।

24 जून से शुरू होगा संसद का विशेष सत्र

» 26 को हो सकता है लोकसभा स्पीकर का चुनाव

नईदिल्ली,11 जून 2024 (ए)। संसद का 8 दिवसीय विशेष सत्र 24 जून से शुरू होने वाला है। सूत्रों के मुताबिक 8 दिवसीय सत्र में 26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, 24 और 25 जून को नए सांसद शपथ लेंगे। विशेष सत्र के दौरान, भाजपा के एजेंडे में एक मुख्य कार्य नए लोकसभा अध्यक्ष के लिए एनडीए की पसंद का चयन करना होगा। लोकसभा अध्यक्ष का पद लोगों के दिमाग में फिर से आ गया है क्योंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की दोनों पार्टियाँ, टीडीपी और जेडी (यू), इस कुर्सी पर नज़र गड़ाए हुए हैं। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में, भाजपा केवल 240 सीटें ही जीत पाई और 272 के आंकड़े से चूक गई। इससे भगवा खेमे में विद्रोह की आशंका पैदा हो गई है, जो पिछले कुछ सालों में पार्टियों को तोड़ने और सरकारें गिराने में अहम भूमिका निभाता रहा है।

रियासी में आतंकी हमला करने वालों की अब खैर नहीं

सीआरपीएफ की 11 टीमों ने कर दी घेरा बंदी

श्रीनगर,11 जून 2024(ए)। जम्मू और कश्मीर में तीर्थयात्रियों पर हुए आतंकी हमले के बाद इस मामले में लगातार अपडेट सामने आ रहे हैं. घाटी से मिल रही ताजा जानकारी के मुताबिक अब इस आतंकी हमला करने वालों की खैर नहीं है. इसके लिए सेना की ओर से घेराबंदी शुरू हो गई है. सेना और सीआरपीएफ की कुल 11 टीमों को इन आतंकियों की तलाश में तैनात कर दिया है. बता दें कि पाकिस्तान समर्थित आतंकियों को ठिकाने लगाने के लिए अब सेना एक्शन मोड में है. इसके लिए कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है. दरअसल बस पर हमला करने के बाद सभी आतंकी जंगल की ओर से भाग गए थे. यही वजह है कि सेना के जवानों ने अब रियासी जंगल को पूरी तरह घेर लिया है. रियासी के जंगलों में आतंकियों को खोजने के लिए कमांडो के साथ-साथ ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है. ड्रोन के जरिए जंगल के चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है और जहां पर आतंकियों की गतिविधि की जानकारी लगेगी वहां तुरंत कार्रवाई की जाएगी.

भारत में अवैध रूप से रह रहे 4 बांग्लादेशी मुंबई से अरेस्ट

» फर्जी कागजों से लोकसभा चुनाव में वोट भी दिया

मुंबई,11 जून 2024 (ए)। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने भारतीय पासपोर्ट हासिल करने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने के आरोप में चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एक गोपनीय सूचना के आधार पर एटीएस की जुहू इकाई ने हाल ही में रियाज हुसैन शेख (33), सुल्तान सिद्दीक शेख (54), इब्राहिम शफीउल्ला शेख (44) और फारुक उस्मानगनी शेख (39) को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के रहने वाले चारों आरोपी शहर के अलग-अलग हिस्से में रहते हैं। ये कई सालों पहले गैरकानूनी रुप से देश में दाखिल हुए थे।

मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 28 मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज

नईदिल्ली,11 जून 2024 (ए)। चुनाव अधिकार निकाय एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 28 मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें से 19 मंत्रियों पर हत्या का प्रयास, महिलाओं के खिलाफ अपराध और नफरत फैलाने वाले भाषण जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। सबसे गंभीर आरोपों का सामना करने वाले मंत्रियों में से दो ने भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत हत्या के प्रयास से संबंधित मामले घोषित किए हैं। इनमें बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और पूर्वोत्तर क्षेत्र शिक्षा एवं विकास राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार शामिल हैं। एडीआर की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पांच मंत्रियों पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित मामले हैं। इनमें गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, ठाकुर, मजूमदार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी और जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम शामिल हैं।

AMBIKAPUR 12 JUNE 2024_Layout 2 6/11/2024 11:22 AM Page 2

संपादकीय

गरमी को रोकना आसान नहीं

जलवायु वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार मई में महसूस की गई लू अब तक की सबसे अधिक रही।क्लाइमामीटर के शोधकर्ताओं ने मई में देश में प्रचंड व लंबे समय तक चलने वाली लू प्राकृतिक रूप से होने वाली घटना अल-नीनो का परिणाम बताया।इस बदलाव से पता चलता है कि मौजूदा जलवायु में बीते सालों की तुलना में कम से कम 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान अधिक रहा जबकि वष्रा परिवर्तन में कोई महत्त्वपूर्ण बदलाव नहीं दिख रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार जीवाश्म ईंधन के उपयोग के कारण भारत में लू यानी ताप लहर तापमान की असहनीय सीमा तक पहुंच गई है।तापमान का 50 डिग्री के करीब पहुंचने का कोई तकनीकी समाधान नहीं है। अल-नीनो व मानवजनित जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभाव के तहत दुनिया इस तरह के गरम मौसम से जूझ रही है। गरमी और अधिक तेज होती जा रही है। मई में दिल्ली समेत उत्तर के कई इलाकों में तापमान 52 डिग्री तक पहुंच गया।उप्र, मप्र, बिहार, झारखंड व ओडिशा में स्थिति काबू से बाहर हो गई। भीषण गरमी के कारण सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और हजारों हीट स्ट्रोक की चपेट में आ गए। बिजली की खपत इतनी बढ़ गई कि आपूर्ति संभव नहीं रही।जल भंडारण तेजी से कम होता जा रहा है जिससे जल संकट बढने् की आशंका से इंकार नहीं किया जा रहा। मौसम विज्ञानी इसे ला-नीनो इफेक्ट भी मान रहे हैं। उनका कहना है, जिस साल अल-नीनो खत्म होता है, उस साल तापमान थोड़ा बढ़ जाता है।जलवायु परिवर्तन व प्राकृतिक परिवर्तनशीलता के दरम्यान जटिल परस्पर क्रिया के चलते भविष्य में लू के बढने् की आशंका से इंकार नहीं किया जा रहा। याद हो तो इसी अप्रैल में इतनी भीषण गरमी पड़ी कि कहा गया कि यह 120 साल बाद हुआ।भारत ही नहीं, दुनिया भर में इस जानलेवा गरमी की मार पड़ रही है जिसका असर कृषि व खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ सकता है। कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा तो होगा ही। सेहत संबंधी दिक्कतें भी बढने् की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर विशेष आज

देश में बाल श्रम पर लगे लगाम

किसी देश के बच्चे अगर शिक्षित और स्वस्थ्य होंगे तो वह देश उन्नति और प्रगति करेगा और देश में खुशहाली आयेगी। लेकिन अगर बच्चे बचपन से

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

ही किताबों को छोड़कर कल-कारखनों में काम करने लगेंगे तो देश समाज का भविष्य उज्ज्वल नहीं होगा। इसीलिये बच्चों को देश का भविष्य कहा जाता है। देश में आज भी करोड़ों बच्चे स्कूलों की बजाए कल-कारखानों, ढाबों और खतरनाक कहे जाने वाले उद्योगों में कार्य कर रहे हैं. जहां दो पेट के भोजन की शर्त पर उनका बचपन और भविष्य तबाह हो रहा है।

बाल श्रम लगातार एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। जिसके कारण बच्चों का बचपन गर्त में जा रहा है और उनको अपना अधिकार नहीं मिल पा रहा है। यह दिवस बाल श्रम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और इसको पूरी तरह से समाप्त करने के लिए व्यक्ति, गैर सरकारी संगठन एवं सरकारी संगठनों को प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है। इस साल विश्व बाल श्रम निषेध दिवस का थीम आइए अपनी मांगों पर कार्य करें बाल श्रम समाप्त करें! इस दिन जागरूकता बढ़ाने, बदलाव की पहल करने और बाल श्रम से मुक्त भविष्य की दिशा में योगदान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है।

संयुक्त राष्ट्र ने बाल श्रम पर कहा है कि पिछले तीन दशकों के इस समस्या से निपटने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, अगर मूल कारणों को दूर कर दिया जाए तो बाल श्रम को खत्म किया जा सकता है। बाल मजदूरी उन्मूलन के लिए दुनिया भर में 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जा रहा है। बाल मजदूरी के खिलाफ जागरूकता फैलाने और 14 साल से कम उम्र के बच्चों को इस काम से निकालकर उन्हें शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से साल 2002 में द इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की ओर से इस दिवस की शुरुआत की गई थी। बाल श्रम के खात्मे के लिए आज के दिन श्रमिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन और सरकारें तमाम आयोजन करती हैं। इन सबके बावजूद बाल मजदूरी पर लगाम नहीं लग पा रही है।

भारत में आदिकाल से ही बच्चों को ईश्वर का रूप माना जाता रहा है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य इस सोच से काफी भिन्न है। बच्चों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। गरीब बच्चे स्कूल में शिक्षा प्राप्त करने की उम्र में मजदूरी कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से भारत सरकार एवं राज्य सरकारों की पहल इस दिशा में सराहनीय है। उनके द्वारा बच्चों के उत्थान के लिये अनेक योजनाओं को प्रारंभ किया गया है, जिससे बच्चों के जीवन व उनकी शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव दिखे। शिक्षा का अधिकार भी इस दिशा में एक सराहनीय कार्य है। इसके बावजूद बाल श्रम की समस्या अभी भी एक विकट समस्या के रूप

में विराजमान है।

वर्तमान में देश के विभिन्न क्षेत्रों में छोटे स्तर पर होटल, घरों व फैक्ट्री में काम कर या अलग अलग व्यवसाय में मजदूरी कर लाखों बाल श्रमिक अपने बचपन को तिलांजलि दे रहें हैं, जिन्हें न तो किसी कानून की जानकारी है, और ना ही पेट पालने का कोई और तरीका पता है। भारत में ये बाल श्रमिक कालीन, दियासलाई, रत्न पॉलिश व जवाहरात, पीतल व कांच, बीड़ी उघोग, हस्तशिल्प, सूती होजरी, नारियल रेशा, सिल्क, हथकरघा, कढ़ाई, बुनाई, रेशम, लकड़ी की नक्काशी, फिश फीजिंग, पत्थर की खुदाई, स्लेट पेंसिल, चाय के बागान में कार्य करते देखे जा सकते हैं। लेकिन कम उम्र में इस तरह के कार्यों को असावधानी से करने पर इन्हें कई तरह की बीमारियां होने का खतरा होता है। एक अध्ययन में पता चला है कि जितने भी बच्चे बालश्रम में लिप्त हैं, वे या तो निरक्षर थे या पढ़ाई छोड़ दी थी। इनमें अधिकांश बच्चे बीमार पाए गए और कई बच्चे नशे के आदि भी थे।

बाल श्रम की समस्या का मुख्य कारण है निर्धनता और अशिक्षा है। जब तक देश में भुखमरी रहेगी तथा देश के नागरिक शिक्षित नहीं होंगे तब तक इस प्रकार की समस्याएं ज्यों की त्यों बनी रहेंगी। देश में बाल श्रमिक की समस्या के समाधान के लिये प्रशासनिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सभी स्तरों पर प्रयास किया जाना आवश्यक हैं। यह आवश्यक है कि देश में कुछ विशिष्ट योजनाएं बनाई जाएं तथा उन्हें कार्यान्वित किया जाए जिससे लोगों का आर्थिक स्तर मजबूत हो सके और उन्हें अपने बच्चों को श्रम के लिये विवश न करना पड़े। प्रशासनिक स्तर पर सख्त-से-सख्त निर्देशों की आवश्यकता है जिससे बाल-श्रम को रोका जा सके। व्यक्तिगत स्तर पर बाल श्रमिक की समस्या का निदान हम सभी का नैतिक दायित्व है। इसके प्रति हमें जागरूक होना चाहिये तथा इसके विरोध में सदैव आगे आना चाहिये। पूरी दुनिया के लिये बाल श्रम की समस्या एक चुनौती बनती जा रही है। विभिन्न देशों द्वारा बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाने के लिये समय समय पर विभिन्न प्रकार के कदम उठाए गए हैं। बाल श्रम को काबू में लाने के लिये विभिन्न देशों द्वारा प्रयास किये जाने के बाद भी इस स्थिति में सुधार न होना चिंतनीय है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट से पता चलता है कि बाल श्रम को दूर करने में हम अभी बहुत पीछे हैं। दुनिया भर में 73 मिलियन बच्चे खतरनाक काम करते हैं। खतरनाक श्रम में मैनुअल सफाई, निर्माण, कृषि, खदानों, कारखानों तथा फेरी वाला एवं घरेलू सहायक इत्यादि के रूप में काम करना शामिल है।

बाल श्रम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, यह एक वैश्विक घटना है। यूनीसेफ के अनुसार बच्चों का नियोजन इसलिये किया जाता है, क्योंकि उनका आसानी से शोषण किया जा सकता है। बच्चे अपनी उम्र के अनुरूप कठिन काम जिन कारणों से करते हैं, उनमें आमतौर पर गरीबी पहला कारण है। इसके अलावा, जनसंख्या विस्फोट, सस्ता श्रम, उपलब्ध कानूनों का लागू नहीं होना, बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति अनिच्छुक माता-पिता जैसे अन्य कारण भी हैं। बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 के जरिए बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) अधिनियम 1986 में संशोधन किया गया है ताकि किसी काम में बच्चों को नियुक्त करने वाले व्यक्ति पर जुर्माना के अलावा सजा भी बढ़ाई जा सके। संशोधित कानून सरकार को ऐसे स्थानों पर और जोखिम भरे कार्यों वाले स्थानों पर समय समय पर निरीक्षण करने का अधिकार देता है जहां बच्चों के रोजगार पर पाबंदी है।

संशोधित कानून के जरिए इसका उल्लंघन करने वालों के लिए सजा को बढ़ाया गया है। बच्चों को रोजगार देने वालों को अब छह महीने से दो साल की जेल की सजा होगी या 20,000 से लेकर 50,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों लग सकेगा। पहले तीन महीने से एक साल तक की सजा और 10,000 से 20,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान था। दूसरी बार अपराध में संलिप्त पाए जाने पर नियोक्ता को एक साल से लेकर तीन साल तक की कैद की सजा का प्रावधान किया गया है। कानून के मुताबिक किसी भी बच्चे को किसी भी रोजगार या व्यवसाय में नहीं लगाया जाएगा। हालांकि स्कूल के समय के बाद या अवकाश के दौरान उसे अपने परिवार की मदद करने की छूट दी गई है।

समाज के प्रमुख लोगों को बाल श्रम को रोकने की दिशा में एक नई पहल करनी चाहिये। लोागें को बाल श्रम को रोकने के लिये समाज में जागरूकता लाने का प्रयास करना चाहिये व बच्चो से काम करवाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनन कार्यवाही करवानी चाहिये तभी बाल श्रम पर रोक लग पायेगी। कानूनन कार्यवाही के डर से मालिक बाल श्रमिको को अपने यहां काम पर रखने से डरने लगेंगें।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

राजनीतिक नैरेटिव हावी

यों 2024 के आम चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। बीजेपी की सरकार की जगह अब एनडीए' की सरकार बन रही है। फिर भी कई बार विपक्षी प्रवक्ता मीडिया व एंकरों पर अपना क्रोध न्यौछावर करते रहते हैं कि सत्ता पक्ष के प्रवक्ता को आपने ज्यादा टाइम दिया, हमें कम दिया कि हमारे साथ टोकाटाकी ज्यादा की..।एंकर कितना भी कहे कि आपको पूरा टाइम दिया गया फिर भी आप टॉपिक पर भी अपनी बात नहीं कह पाए तो भी विपक्ष के कई प्रवक्ताओं को चैन नहीं पड़ता। वे अपने हमले जारी रखते हैं। कहने की जरूरत नहीं कि विपक्ष ने आक्रामकता को रणनीति की तरह अपनाया है ताकि मीडिया को रक्षात्मक बना कर अपने राजनीतिक नैरेटिव' को हावी कर सके। इसीलिए कई विपक्षी प्रवक्ता पहले क्षण से आक्रामक मुद्रा अपना कर चैनल व एंकर को कोसने लगते हैं कि आप सत्ता के दलाल हैं, आप बिके हुए हैं..। जवाब में कई एंकर कहते दिखे हैं कि हम सबको बराबर का वक्त देते हैं लेकिन आप टॉपिक पर नहीं रहते। इसलिए हमें टोकना पड़ता है..हमें कब क्या सवाल करना है, क्या नहीं, किस विषय पर बहस करानी है, किसका इंटरव्यू लेना है, किससे बात करनी है, किससे नहीं, ये हमारा चैनल ही तय करता है। आप नहीं कर सकते। एंकरों व पत्रकारों को टारगेट करना, सत्ता पक्ष का बताना और उनकी साख' पर हमला कर उनको विचलित करना विपक्ष की नई मीडिया रणनीति' का हिस्सा रहा है। कहने की जरूरत नहीं कि विपक्ष ने इस नीति में वह एक हद तक कामयाब भी रहा है क्योंकि वह मानता है कि जब तक हम मीडिया पर हमला कर दबाव नहीं बनाएंगे तब तक यह काबू में नहीं आएगा। इसलिए जब भी मौका मिले, हमला करो, उसकी साख' को टारगेट' करो ताकि वह विपक्ष के पक्ष में झुके और दर्शक भी विपक्ष के रुतबे को मानें।इसके लिए पहले अपने को मीडिया का विक्टिम' बना कर पेश करो लेकिन आकामक बने रहो और अपने सत्य' पर अड़े रहो। हमने कई प्रवक्ता देखे हैं जो मुद्दे पर रहने की जगह अपनी रटी हुई बात कहते रहते हैं और टोकने पर एंकर से लडने् लगते हैं कि आप हमें टोक रहे हो। और ऐसा इसलिए करते हैं ताकि वे मीडिया का भरपूर उपयेग कर सकें। अपना मुद्दा, अपना नैरेटिव सेट कर सकें क्योंकि आज की सारी राजनीति सत्य या तथ्य की जगह नैरेटिव' से संचालित है। नैरेटिव' को हिन्दी में कहानी', आख्यान' या वृत्तांत' का नाम दिया जाता है लेकिन नैरेटिव' सिर्फ सामान्य कहानी, आख्यान या वृत्तांत जैसा नहीं होता, बल्कि एक पॉवर' (सत्ता) का आख्यान' होता है।यहां हमें यह भी समझ लेना चाहिए कि सत्ता' सिर्फ किसी शासन',प्रशासन' या शासक' प्रशासक' की नहीं होती, वह प्रतिपक्ष' की भी होती है। इस संदर्भ में नैरेटिव' का अर्थ होता है- एक विशेष व सुगठित वैचारिक ढांचे में एक पक्के और गढ़े हुए तर्क संजाल को कहानी या आख्यान की तरह जोर-शोर से स्थापित करना जिसके अंतर्गत आती हर बात, हर तर्क, एक कल्पित सत्य का निर्माण करे जिसे बार-बार कहा जाए ताकि वही एक मात्र सच' लगने लगे!ऐसे नैरेटिव को बनाने वाले और कहने वाले का नजरिया एक खास वैकल्पिक सच का निर्माण करता है जिसमें किसी दूसरे नजरिए और किसी दूसरे तर्क की कोई गुंजाइश नहीं होती! आज के मीडिया' व सोशल मीडिया' में सच' को झूठ' और झूठ' को सच' बनाने के लिए ऐसे ही नैरेटिवों से काम लिया जाता है।इसे हम एक ताजा उदाहरण से समझने की कोशिश करें - एक रोज एक एअरपोर्ट पर एक महिला सांसद को एक महिला कांस्टेबल ने थप्पड़ जड़ दिया। थप्पड़ खाने वाली महिला सांसद ने जब पूछा कि क्यों मारा तो उसने कहा कि वह किसान आंदोलन को बदनाम करने वाले उसके एक मेसेज से नाराज थी..। ऐसे में कानून कहता है कि ड्यूटी करते वक्त किसी भी वर्दीधारी को अपनी खुन्नस निकालने का हक नहीं लेकिन यह घटना घटित होते ही सोशल मीडिया में दो नैरेटिवों' में बंट गई। एक नैरेटिव थप्पड़ खाने वाली के प्रति हमदर्दी' में चला तो दूसरा थप्पड़ मारने वाली के पक्ष में भी चला कि थप्पड़ मारने वाली का गुस्सा जायज है।

-सुधीश पचौरी-

कंधे से कंधा मिलाकर चलने प्रतिबद्धता

लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार की जीत का केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय महत्त्व भी है। अनेक कारणों से इस बात को कहा जा सकता है।सबसे पहले तो देखें कि कई दशकों की जोड़-तोड़ की राजनीति एवं राजनैतिक अस्थिरता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विराम लगा दिया है। आज पूरी दुनिया के शीर्ष नेता एवं नेतृत्व भारत को अत्यंत ही सकारात्मक एवं भरोसेमंद विदेश नीति वाले देश के रूप में देखते हैं। कहना न होगा कि पूरी दुनिया में नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक नई पहचान दी है।रविवार को लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले चुके नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए को मिला नया जनादेश भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी भूमिका के लिए नई ऊर्जा देने वाला साबित होगा।ऐतिहासिक रूप से एनडीए की परंपरा अटलबिहारी वाजपेयी के समय से सहभागिता, सहयोग एवं सर्वसम्मति के साथ सबका साथ- सबका विकास की ही रही है। आने वाले पांच साल में भी भाजपा सहित राजग के सभी सहयोगी घटक राष्ट निर्माण में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित दिखाई दे रहे हैं। इसकी एक झलक बीते शुक्रवार को पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में हुई राजग की बैठक में भी देखने को मिल चुकी है। वहां राजग के सभी प्रमुख सहयोगियों ने न सिर्फ मोदी सरकार के पिछले 10 वर्ष के कार्यकाल पर संतोष जताया, बल्कि अगले कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी के कंधे से कंधा मिलाकर चलने की प्रतिबद्धता भी जताई है।दरअसल, देश में गठबंधन सरकार चलाने के मामले में वाजपेयी सरकार को आदर्श उदाहरण के रूप में गिनाया जाता है। अपने घटक दलों और सहयोगी दलों के साथ सहज भाव से रहते हुए आम जनता के जीवन को सहज बनाने और सुविधापूर्ण बनाने में वाजपेयी सरकार के कामकाज को आज भी याद किया जाता है। वास्तव में 2047 में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए पूरा गठबंधन राष्ट्र सर्वोपरि' के सिद्धांत पर आगे बढना् चाहता है। निश्चित रूप से इस दृष्टि से बड़े और कड़े फैसले भी लिए जाएंगे। न सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी, बल्कि बिहार के नीतीश कुमार एवं आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू जैसे नेता अपने-अपने राज्यों में अपने पिछले कार्यकालों में सुशासन के लिए ही जाने जाते रहे हैं। इसलिए उनके अनुभव का लाभ भी प्रधानमंत्री को मिलेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है।इन दोनों नेताओं को उनके अपने-अपने राज्यों में विकास पुरुष के रूप में जाना जाता है।चुनावी परिणाम और जनादेश ने भारतीय लोकतंत्र की ताकत, निष्पक्षता और पारदर्शिता को भी साबित कर दिया है। ईवीएम का राग अलापने वाले आधारविहीन विपक्ष के मुंह पर यह बड़ा तमाचा है। आज भी ब्रांड मोदी' का जलवा बरकरार है। देश के जनमानस में बीजेपी, नरेन्द्र मोदी और एनडीए के प्रति विश्वास को 2024 के जनादेश ने पुनः स्थापित किया है। यह जीत करोड़ों कार्यकर्ताओं, वोटरों एवं कुशल नेतृत्व की जीत है।यह भारतीय प्रजातंत्र की जीत है जिसमें सर्वे भवन्तु सुखिनः..का भारतीय दर्शन भी निहित है। हर एक प्रजातंत्र के इतिहास में एक ऐतिहासिक पड़ाव आता है, जो राष्ट्र की नीति और नियति तय करता है। लोक सभा 2024 के चुनाव परिणाम में तीसरी बार नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की विजय ऐसा ही ऐतिहासिक पल है। निश्चित रूप से इस चुनावी विजय ने अनेकानेक सकारात्मक संदेश दिए हैं।इतिहास के पन्नों को पलटें तो पाएंगे कि 1962 के बाद पहली बार किसी नेता को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर पहुंचने का अवसर मिला है। इसके साथ-साथ यह तो और भी ऐतिहासिक है कि प्रधानमंत्री पद से पहले नरेन्द्र मोदी चार बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर गुजरात का शासन सफलतापूर्वक चला चुके हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी के 10 वर्षों के पुरुषार्थ, तप एवं विकासोन्मुखी राजनीति का परिणाम है कि अनेक झूठे प्रचारों के बावजूद पार्टी विपक्षी दलों द्वारा बनाया गया आइएनडीआइए गठबंधन अकेले भारतीय जनता पार्टी की सीटों से भी आगे नहीं जा सका। साठ वर्षों से अधिक समय तक देश पर राज करने वाली कांग्रेस तो 100 सीटों के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाई।स्पष्ट है कि जनता ने विपक्षी गठबंधन को सिरे से नकार दिया है। इस चुनाव ने पुनः स्पष्ट कर दिया है कि आने वाला समय विकास एवं कल्याण की राजनीति का है न कि धर्म, जाति, पंथ और सांप्रदायिकता का। एक और विशेष बात जो प्रधानमंत्री मोदी को विशिष्ट बनाती है, वह है कि इनकी राष्ट प्रथम' की सोच और अंतिम छोर पर खड़े देश के हर नागरिक के प्रति संवदेनशीलता।एक ओर जहां विपक्ष ने धर्म और जाति के आधार पर ध्रुवीकरण का प्रयास किया, वहीं इसके बिल्कुल विपरीत प्रधानमंत्री मोदी विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े नागरिक तक पहुंचाने के लिए सतत प्रयासरत रहे। अब भाजपा एवं एनडीए देश के हर कोने में मजबूती के साथ विस्तार कर रहा है। ओडिशा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु एवं केरल में पार्टी का वोट प्रतिशत भी तेजी से बढ़ा है।आर्थिक मोच्रे पर मोदी सरकार के नेतृत्व में पिछले दो कार्यकाल खासे उत्साहवर्धक रहे। भारतीय अर्थव्यवस्था ने वैश्विक पटल पर ऊंची छलांग लगाते हुए अनेक विकसित देशों को चौंका दिया। पिछले 10 वर्षो में जिस संकल्प एवं राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने देश को दुनिया की पहली पांच अर्थव्यवस्थाओं में लाकर खड़ा कर दिया है, वह अपने आप में एक अद्भुत मिसाल है। आर्थिक मोर्चे पर देश को आगे ले जाने की इसी इच्छाशक्ति के साथ शुक्रवार को केंद्रीय कक्ष की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने सभी राज्यों को संदेश दे दिया है कि वे बड़े विदेशी निवेश के लिए अपने यहां सरल एवं सीधी नीतियां बनाएं ताकि विदेशी कंपनियां देश के हर राज्य में अपने लिए अनुकूल वातावरण महसूस करें, और हर राज्य में निवेश के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो सकें।

-आचार्य पवन त्रिपाठी-

प्यार से विरक्त मत होना

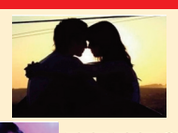

पवन तनय अग्रहरि
अद्वितीय
शाहगंज,जौनपुर,
उत्तरप्रदेश

प्यार से विरक्त मत होना
कुछ नहीं है हासिल होना
नेताओं पर इतना मरना
कि आपस में मर कट जाना
भइया,बाबू ऐसा न करना
मिल जुलकर जीवन जीना
बचाए रहना अनमोल गहना
अपनों से अनुरक्त रहना
प्यार से विरक्त मत होना
व्यर्थ संघर्ष से घर-द्वार दीवारें रोती
बंटवारे से परिवार कमजोर होती
आंगन का श्रृंगार बना रहने देना
मजबूत अरमान बना रहने देना
जीवन अलबेला है समझना
अनुपम बनाकर इसे छोड़ना
दूजे के लिए हो जाए खजाना
देखकर खुशी से अपनाना

मिट्टी का घर

कृष्णा चौहान
अमेरी,बरमकेला
सारंगढ़-बिलाईगढ़
(छत्तीसगढ़)

मिट्टी खपड़े का घर,
बहुत सुंदर लगता हैं!
चुना से पोताई और,
गोबर से लिपाई होता हैं!
मिट्टी खपड़े का घर,
जहां मन लगे सो जाओ!
साफ सफाई में सुंदर लगता हैं,
हर कमरा मिट्टी का होता हैं!
मिट्टी खपड़े का घर,
ठंडा-ठंडा लगता हैं!
न एसी न कुलर,
का जरुरत पड़ता हैं!
मिट्टी खपड़े का घर
बिना टाईल्स का होता हैं!
हर मौसम में,
सुख प्रदान करता हैं!
मिट्टी खपड़े का घर,
आँगन में,
रंग बिरंगे फूल पौधे,
खिलते हैं!

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मोदी के लिए बड़ी चुनौती,क्या करेंगे?

संभव नहीं। वे समय और मिजाज दोनों में बंधे हैं। समय ग्राफ के लुढ़कने का है। 2024 के जनादेश ने नरेंद्र मोदी को एक तरह से बर्फ की सिल्ली बना दिया है जो सियासी गर्मी में पिघलनी ही है। वे सत्ता में चाहे जितना रहें, लोगों में असंतोष और गुस्सा निरंतर बढना् है। मोदी की तीसरी कैबिनेट सत्ता और सत्ताखोरी में वक्त काटेगी। पहले सरकार में मोदी, अमित शाह दो का खेला था अब सबका खेला बनेगा। न महंगाई और बेरोजगारी में तनिक भी कंट्रोल संभव है और न शिक्षा, चिकित्सा और आवश्यक सेवाओं का सुधरना, उनका सस्ता होना मुमकिन है। ऊपर से दस साला भ्रष्टाचार की परतें धड़ाधड़ खुलनी हैं।ऐसे में नरेंद्र मोदी क्या करेंगे? वे चौबीस घंटे दिन रात इस चिंता में रहेंगे कि कैसे पुराना दस साला राज वापिस लौटे। वह राज जिसमें एकक्षत्रता थी। किसी की कैबिनेट में बोलने की हिम्मत नहीं होती थी। ईडी, सीबीआई आदि का जिधर चाहे हथौड़ा चला देते थे। अदालतें चिंता करती और घबराती थीं। हर दिन मीडिय़ा भगवान का नया श्रृंगार दिखाता होता था। प्रतिदिन सुबह-शाम आरती उतरती

थी।चिंता, असहजता और मिजाज की मजबूरी में नरेंद्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता लोकसभा में भाजपा के सासंदों की संख्या को 275 पार बनाने की होगी। मुश्किल है उनके लिए जो उनके साथ साथ चंद्रबाबू व नीतीश कुमार फोटो में नजर आएं। सुबह, शाम, संसदीय सत्र में रोज विपक्ष का शोर सुनें। इसलिए फोटो फ्रेम से नीतीश व चंद्रबाबू को आउट करना जरूरी है। पर वे इनका हाथ पकड़ कर इन्हें बाहर नहीं कर सकते तो डांटना, बोलना भी संभव नहीं।मोदी के लिए बड़ी चुनौती इसी साल होने वाले तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। उनमें में नरेंद्र मोदी का जादू फिर फेल हुआ तो क्या करेंगे? इसलिए बिहार के चुनाव तक मोदी को नीतीश कुमार की छाया में रहना है। उधर दक्षिण भारत के सारे राज्य और उनके मुख्यमंत्री व सांसद केंद्र से पैसे लेने, जीएसटी के मुद्दे और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मामले में चंद्रबाबू को आगे रख कर अपना एजेंडा साधेंगे। इससे उत्तर भारत में भाजपा फुस्स होगी। भाजपा की प्रदेश सरकारों को लाले पडने् हैं। संभव है एक जुलाई से लागू होने वाली नई आईपीसी पर भी दक्षिण में झमेला हो।इन स्थितियों में नरेंद्र मोदी क्या अटल बिहारी वाजपेयी की तरह अपने को लचीला, सभी के साथ फ्रेम में होने वाला, समावेशी बन सकते हैं? नामुमकिन। उनका अगला टर्निंग प्वाइंट हरियाणा, महाराष्ट और झारखंड के विधानसभा चुनावों का होगा। चुनाव जीतने के लिए मोदी का तब एक्स्ट्रीम हल्ला बोल होगा तो संभव वहीं चंद्रबाबू और नीतीश उसे अनसुना करें। जाहिर है नरेंद्र मोदी नहीं बदल सकते हैं और इसी से आगे भी उनका हस्र है

-हरिशंकर व्यास-

वह कब है?

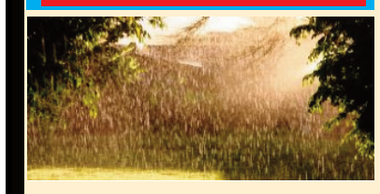

ओट्टेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई
तमिलनाडु

चिलचिलाती धूप में बारिश की तलाश में
भटकते पेड़ पेड़ों के मन में
पृथ्वी संघर्ष कर रही हैपृथ्वी के किनारे पर
पेड़ों की परछाइयां भी गोली मारती हैं
ग्लोबल वार्मिंग के कारण
यहां सिर्फ पेड़ ही नहीं हैं, यहां की छाया भी है।
आत्मा बन रही है कल या कल
इस धरती पर
अगर कोई नहीं रह सकता है, तो यह एक
अनाथ होगा यह धरती?
फिर आदमी चलो सोचते हैं
मंगल ग्रह पर जीने के बारे में...

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कोयली कुहके, मैचका टर्राए

अशोक पटेल
आशु
,शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

कोयली कुहके, मैचका टर्राए
जईसे बरखा के संदेश सुनाए
उमड़-घुमड़ के ए बदरा आए,
ए बरखा रूप, अपन दिखाए।
बरोड़ा-गर्रा-धुंका ह गर-गर्राएं
चारो मुड़ा हर, जम्मो बहराए
डहर-रद्दा सुग्घर चिक्कन लागे
धुर्रा-कचरा हर जम्मो उड़ जाए।
फाँफ़ा-फिलगा फुरफुर-फुर्राए
किरा-मकोरा मन निकल आए
पड़की-परेवना हर तान सुनाए
पपिहारा मैना हर नाच दिखाए।
खेती-किसानी के दिन ह आए
माटी के सेवा म सब लग जाए
धरती के सेवा करईया माटीपुत्र
अपन जिनगी के भाग सहराए।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

C M Y K

AMBIKAPUR 12 JUNE 2024_Layout 2 6/11/2024 11:22 AM Page 3

प्रतापपुर में मानवता हुआ शर्मसार कलयुगी मां ने बच्चे को जन्म होते के साथ नवजात शिशु को मरने के लिए फेंका झाड़ियों में

- सोनू कश्यप -
प्रतापपुर,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर से शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है,जहां कलयुगी मां ने जन्म के बाद बच्ची को मरने झाड़ियों में फेंक दिया।दरअसल पुरा मामला नगर पंचायत प्रतापपुर के वार्ड नंबर 10 का है जहां झाड़ियों में अज्ञात लोगों ने नवजात बच्ची को फेंक दिया। वही पास के घर में रहने वाली प्रतिमा कश्यप को बच्ची की रोने की आवाज़ सुनाई दी, जिस पर अगल-बगल में देखने पर झाड़ियों के अंदर बच्ची दिखी और पास जाकर देखा तो बच्ची के शरीर पर चीटियां लग रही थी जिसे साफ़ कर आस-पास के लोगों को बुलाया, और बच्ची को नजदीकी अस्पताल लेकर गए,जहां बच्ची प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज़ के लिए नवजात को ज़िला अस्पताल रिफर कर दिया गया।नवजात शिशु को सीएनसी वार्ड में बेहतर देखभाल की जा रही है फिलहाल बच्चे की स्थिति सामान्य बताई जा रही है,,बहरहाल नवजात को किसने फेंका इसकी जांच में पुलिस जुटी हुई है।

जन्म के बाद बच्ची को गला घुटने का भी प्रयास किया गया मगर हिम्मत नहीं जुटा पाने के कारण मां ने नवजात शिशु को झाड़ियां में फेंकना ही उचित समझा।

मामला नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 10 में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां रविवार की रात को झाड़ियों में किसी ने जन्म के बाद बच्ची को मरने के लिए छोड़ दिया और सोमवार सुबह बगल के घर की महिला ने उसे अस्पताल पहुंचाया। यह देखकर भारी संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई मिली जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर 10 निवासी प्रतिमा कश्यप सुबह 4:00 बजे करीब घर से निकली तो उन्हें बच्चों की रोने की आवाज सुनाई थी इधर-उधर देखने के बाद उन्हें घर के पास झाड़ी में छोटी सी बच्ची को रोते हुए देखा बच्ची को इस तरह झाड़ियों में देखा तो उनके होश उड़ गए पास जाकर देखा तो बच्ची के शरीर पर चीटियां चल रही थी बिना देर किए उन्होंने बच्ची को उठाया और चीटियां साफ करने के बाद में मोहल्ला वासियों को बताया बाद उन्होंने अगल-बगल लोगों को बुलाया और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर ले गई जहां पुलिस को भी सूचित किया गया। बच्ची का इलाज शुरू हुआ पूरे शरीर में चीटियां के काटने का निशान पाया गया बताया जा रहा है। बच्ची जन्म रविवार को ही हुआ है और उसे मरने के लिए किसने छोड़ा कुछ पता नहीं चला। अस्पताल द्वारा जानकारी देने के बाद प्रतापपुर पुलिस ने मामला में जांच शुरू कर दिया है। प्रतापपुर में इलाज के बाद बेहतर इलाज और निगरानी के बाद बच्ची को जिला चिकित्सालय सूरजपुर भेज दिया गया। अभी तक बच्ची स्वस्थ बताई जा रही है तथा चाइल्ड केयर के अनाथालय में रखा जाएगा। बहरहाल मानवता को शर्मसार करने वाली इस घटना को लेकर नगर में चर्चा का विषय है दूसरी तरफ जहां एक मां ने अपने ही बच्चे को म रने के लिए झाड़ियां में फेंक दिया था इस कारण से नगरवासी भारी आक्रोशित हैं।

गले में लपेट गया था मरने के लिए कपड़ा। जब बच्चे को देखा गया तब उसके गले में लाल रंग का कपड़ा से उसे मरने का प्रयास किया गया मगर शायद ब्रह्म माता-पिता को रहम आ गया हो इस कारण से उन्होंने बच्ची को झाड़ी में फेंकना ही ऊंची समझा।

उक्त बच्चे का स्वास्थ्य परीक्षण कर सभी डॉक्टरों ने भी तत्काल उपचार एवं नर्स ने भी देखभाल किया और इस बात को सुनते ही प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और कलयुगी माता-पिता के ऊपर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर चर्चाएं होने लगी।

इससे पहले भी प्रतापपुर क्षेत्र में दर्जनों इस तरह से मामला सामने आया है । ज्ञात हो कि प्रतापपुर क्षेत्र में नगर पंचायत क्षेत्र के वार्डों में इस तरह की कोई घटना नया नहीं है इससे पहले भी दर्जनों घटना इस तरह का सामने आ चुका है जो अब तक कलयुगी माता-पिता तक पुलिस पहुंच पाने में नाकामयाब रहे हैं तथा यह भी नहीं पता चल पाता है कि किनका बच्चा है और फिर से इस तरह का मामला सामने आया है।

इस तरह की घटना होने के बाद में नगर में तरह-तरह की चर्चा व्याप्त है वहीं कड़ी कार्रवाई को लेकर आम नागरिक मांग कर रहे हैं तथा तीखी स्वरों में इसका घोर निंदा करते हुए पुलिस प्रशासन से अपराधियों को पकड़ने का मांग कर रहे हैं।

इस विषय में थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने कहा कि मामला काफी गंभीर है और मामले का जानकारी मिलते के साथ में पुलिस बल मौके पर भेजा गया और आसपास के क्षेत्र में डिलीवरी किसका होना है किसका हो सकता है पुलिस द्वारा छानबीन की जा रही है तथा घटना से संबंधित सभी सूत्रों पर बारीकी से जांच की जा रही है।

प्रतापपुर स्वास्थ्य केंद्र बीएमओ विजय सिंह ने बताया कि बच्ची का स्वास्थ्य उपचार के दौरान सही बताया जा रहा है प्रतापपुर स्वास्थ्य में बच्ची को विशेष देखरेख के साथ में स्वस्थ किया गया था तथा विशेष देखभाल के लिए जिला चिकित्सालय सूरजपुर भेजा गया है। नवजात शिशु फिलहाल ठीक है। और डॉक्टरों की टीम निरंतर निगरानी रखी हुई है।

तलवार के साथ वृद्ध गिरफ्तार

- संवाददाता -

अंबिकापुर,11 जून 2024 (घटती-घटना)। ग्राम लौगा सरनापारा में तलवार दिखाकर लोगों को डरा धमका रहा वृद्ध को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वृद्ध के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार उदयपुर पुलिस को 10 जून को मुखबिर से जानकारी मिली की ग्राम लौगा सरनापारा में एक व्यक्ति तलवार लहराकर लोगों डरा धमका रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो गांव का ही तपेश्वर तलवार दिखाकर लोगों को डरा धमका रहा था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी तवेश्वर (70) के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

अलग-अलग दो सड़क हादसे में दो बाइक सवार की गई जान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

अलग-अलग दो सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई, एक घायल हो गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक सूरजपुर जिला के गंगोटी बसदेई का सोमार साय पिता जय सिंह 50 वर्ष, सोमवार की सुबह 7.30 बजे अपने भतीजा भैयालाल के साथ बाइक से वापस लौट रहा था। रास्ते में नारायणपुर-रामानुजनगर मुख्य मार्ग में अज्ञात वाहन के चालक ने इन्हें ठोकर मार दिया। दोनों को घायल अवस्था में रामानुजनगर स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, यहां से सोमार साय को सूरजपुर रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था, देर रात 2.50 बजे उसकी मौत हो गई। एक अन्य घटना में सूरजपुर जिला के बिशुनपुर निवासी सोमारू राम पिता स्व. आलम साय रजवार को आठ जून ग्राम मोरगा से पैदल आते समय नारायणपुर के पास बाइक सवार ठोकर मार दिया था। नौ जून को सूरजपुर अस्पताल से रेफर करने पर स्वजन उसे निजी अस्पताल ले गए, रात 10.30 बजे चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों मृतकों का शव पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

हादसे में दो मजदूरों की हो गई थी मौत
मुआवजा राशि के लिए भटक रहीं दोनों के विधवा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पोड़ी निवासी दो विधवा महिलाओं ने मंगलवार को कलेक्टर जनदर्शन में अपने बच्चों के साथ पहुंचकर इच्छा मृत्यु की मांग की है। कलेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री के नाम प्रेषित आवेदन में उल्लेख किया गया है कि दोनों महिलाओं के पति की मौत मजदूरी करने के दौरान वर्ष 2014 में ट्रैक्टर पलटने से हो गई थी। मामले में न्यायालय ने जून 2022 में ट्रैक्टर मालिक की संपत्ति कुर्क कर करीब 12 लाख रुपए मुआवजा राशि दोनों पीड़ित परिवार को जारी करने का आदेश दिया था। न्यायालय के आदेश के एक वर्ष गुजर जाने के बाद भी दोनों विधवा महिलाओं को मुआवजा राशी नहीं मिल पाया है। निराश दोनों महिलाओं ने बच्चों के साथ कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम पत्र प्रेषित कर इच्छा मृत्य की मांग की है।

गौरतलब है कि लखनपुर के ग्राम पोड़ी निवासी पनमेश्वरी राजवाड़े के पति स्व. हवन साय राजवाड़े और ललिता राजवाड़े के पति श्रीचंद राजवाड़े मजदूरी का काम करते थे। घटना दिवस 3 अप्रैल 2014 को गांव के ही नवरत्न के ट्रेक्टर में सवार हो मजदूर के तौर पर बिजली खंभा ढोने गए थे। ट्रेक्टर चालक के पास लाइसेंस नहीं था। लौटते समय ट्रेक्टर पलट जाने से बिजली खंभे से दब जाने से हवन साय और श्रीचंद की मौत हो गई थी। इस मामले में चालक के पास लाइसेंस नहीं होने के कारण दोनों बेवाओं को बीमा राशि नहीं मिल पाई थी। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय द्वारा 23 जून 2022 को दिए गए फैसले में कहा गया था कि दोनों महिलाओं को 5 लाख 90 हजार रुपए और 6 लाख 47 हजार रुपए का भुगतान ट्रेक्टर मालिक की संपत्ति कुर्क कर बिक्री करते हुए करने की व्यवस्था बनाई जाए। मगर इस आदेश के जारी हुए एक साल गुजर जाने के बाद भी दोनों महिलाओं को यह राशि नहीं मिल सका है। पतियों की मौत होने पर उन्हें बच्चों के लालन पालन में परेशानी हो रही है जिससे वे परेशान होकर मृत्यु की मांग कर रहे हैं।

नायब तहसीलदार आज तक नहीं की कार्रवाई

पीड़ित महिलाओं का कहना है कि ट्रैक्टर मालिक नवरत्न द्वारा उक्त मुआवजा राशि नहीं देने के कारण सक्षम न्यायालय द्वारा कलेक्टर सरगुजा को उक्त राशि की वसूली हेतु संपत्ति कुर्की जब्ती करे का आदेश पारित कर निर्देशित किया था। इसके बाद कलेक्टर द्वारा कार्रवाई करने हेतु नायब तहसीलदार कुन्नी को निर्देशित किया गया था। किन्तु आज तक नायब तहसलीदार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

मुआवजा देने से बचने ट्रैक्टर मालिक ने जमीन कर दी दामाद के नाम

पीड़ित महिलाओं ने आरोप लगाया है कि ट्रैक्टर मालिक मुआवजा राशि देने से बचने के लिए अपने गांव लिपिंगी की भूमि को नायब तहसीलदार एवं पटवारी के मिलिभगत कर अपने दामाद के नाम पूरी भूमि रजिस्ट्री कर बिक्री कर दिया। जिस कारण आज तक मुआवजा राशि नहीं मिल पाया है। मंगलवार को दोनों विधवा महिलाओं ने कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचकर कलेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री के नाम पत्र प्रेषित कर एक माह के अंदर मुआवजा राशि दिलाने की मांग की है। अन्यथा मुआवजा राशि नहीं दिलाए जाने पर पीड़ित परिवार ने एक माह के उपरांत तहसीलदार लखनपुर के सामने इच्छा मृत्यु की अनुमति प्रदान करने की मांग की है।

राजीनामा करने की बात कह कर टालमटोल

महिलाओं ने जनदर्शन में सौंपे गए आवेदन में बताया है कि उन्हें 2022 में 50 हजार रुपये और 2023-24 में एक लाख 50 हजार रुपये देने की खानापूर्ति की गई है। उक्त राशि की वसूली के लिए न्यायालय द्वारा आरआरसी कलेक्टर सरगुजा को जारी किया गया था। इसके बाद चल रही कार्रवाई के प्रक्रिया के बीच वर्तमान तहसीलदार द्वारा 5 मार्च 2024 को उक्त राशि की वसूली के लिए आश्वस्त किया गया, जिस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। आरोप है कि 13 मई 2024 को तहसील न्यायालय में जब वे तहसीलदार के समक्ष उपस्थित हुए तो उन्हें ट्रैक्टर स्वामी से राजीनामा करने की बात कहते हुए टालमटोल किया जाने लगा। ऐसे हालातों के बीच दुर्घटना में पति को खो चुकी महिलाएं अपने बच्चों के स्कूल में दाखिला, खेती-किसानी में आ रही दिक्कतों का सामना कर रही हैं। महिलाओं ने पारित एवार्ड के अनुरूप संपूर्ण मुआवजा राशि का भुगतान कराने का आग्रह किया है।

गंगा दशहरा पर 16 जून को शंकरघाट में होगी भव्य गंगा आरती

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

पिछले चार वर्षों की भांति इस वर्ष भी गंगा दशहरा के दिन स्थानीय शंकरघाट में भव्य गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा।

मान्यता के अनुसार भागीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर महादेव की जटाओं में विराजीं गंगा इसी दिन धरती पर उतरी थी और भागीरथ के पूर्वजों को मोझ प्रदान किया था तब से इस दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। पूर्व में सरगुजा अंचल में यह दिन बड़े त्यौहार के रूप में मनाया जाता था तथा स्थानीय हरसागर तालाब के किनारे इस दिन विशाल मेले का आयोजन होता था कालांतर में तालाब के किनारे हुए अतिक्रमण के कारण यहां यह आयोजन बंद हो गया परन्तु श्री शंकरघाट सेवा समिति द्वारा एक बार फिर से गंगा दशहरा को सरगुजा अंचल की जीवंत परम्परा के रूप में स्थापित किया जा रहा है। श्री शंकरघाट सेवा समिति द्वारा इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं समिति के सदस्यों ने बताया कि विगत चार वर्षों से हो रहे इस आयोजन को इस वर्ष भी भव्य तरीके से मनाने के लिए तैयारियां की जा रही हैं 16 जून रविवार को गंगा दशहरा मनाया जाएगा। इस दिन स्थानीय शंकरघाट पर दोपहर 12 बजे से अनवरत भंडारा होगा। शाम को 4 बजे से भजन संध्या का कार्यक्रम प्रारंभ होगा। शाम को सूर्यास्त के पश्चात भव्य गंगा आरती बनारस से आए समूह के द्वारा की जाएगी। आरती के बाद यहां प्रसाद वितरण किया जाएगा। समिति द्वारा यहां अधिक से अधिक लोगों को पहुंचने का आग्रह किया गया है।

बीमारी से परेशान युवक ने कीटनाशक सेवन कर दी जान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के गांधीनगर, सोनी मोहल्ला निवासी विकास कुमार सोनी पिता मोतीलाल सोनी 29 वर्ष ने कीटनाशक का सेवन कर लिया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया मृतक लंबे समय से बीमारी से परेशान था। सोमवार को दोपहर में वह अपने कमरे में कीटनाशक का सेवन कर लिया था। शाम को घर के सदस्यों ने उसे उल्टी करते देखा। पूछताछ करने पर उसने कीटनाशक का सेवन करने की जानकारी दी। इसके बाद स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां मंगलवार की सुबह वह दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

नवा बिहान नशामुक्ति केन्द्र में काउंसलिंग से लोगों को मिला रहा लाभ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस एवं स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में नवा बिहान नशामुक्ति केन्द्र संचालित है। इसकी समीक्षा बैठक सोमवार को एएसपी अमोलक सिंह ने एसपी कार्यालय सभाकक्ष में ली। बैठक में अनिल मिश्रा समन्वयक नवा बिहान ने कहा कि सरगुजा पुलिस एवं स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त प्रयास का अभिनव पहल है। नवा बिहान के काउन्सलिंग सेन्टर में सरगुजा के पुलिस थानों व अन्य माध्यमों से आए हितग्राहियों, पीड़ितों को व्यक्तिगत एवं पारिवारिक परामर्श देना है। आवश्यकतानुसार ध्यान योग साधना हेतु प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र एवं आर्ट ऑफ लिविंग संस्था सहयोग कर रही हैं। स्वास्थ्य सेवाओं से निःशुल्क समन्वय कर जोडना है। यातायात थाना भवन के उपर घड़ी चौक अम्बिकापुर में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक काउन्सलिंग सेन्टर में प्रतिदिन काउन्सलिंग किया जाएगा।

नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के संयोजक मंगल पाण्डेय ने कहा कि नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान समुदाय एवं

शासकीय विभाग के समन्वय से जनसमुदाय को गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने कहा कि नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र से जुड़े सभी स्वैच्छिक संगठन एवं उनके प्रतिनिधि निःस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। परिणामस्वरूप सकारात्मक बदलाव दिखेगा। वरिष्ठ समाजसेवी वन्दना दत्ता वसुधा महिला मंच, विद्या दीदी प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र, अनिल द्विवेदी राइड, अजय तिवारी आर्ट ऑफ लिविंग, विजय शंकर तिवारी राजेन्द्र नाथ तिवारी फाउंडेशन, समाजसेवी साहित्यकार संतोष दास सरल, रणधीर सिंह प्रयास सोशल वेलफेयर सोसायटी, सुनिधि शुक्ला शियती सोशल वेलफेयर सोसायटी हिना खान उमंग महिला उत्थान समिति एवं अंचल ओझा निदेशक सरगुजा सांइस ग्रुप एवं एजुकेशनल सोसायटी तथा छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान के प्रतिनिधियों ने भी सकारात्मक सुझाव दिए।

गर्मी से राहत के लिए वितरण किया गया कोल्ड ड्रिंक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

बढ़ते गर्मी को देखते हुए शहर के युवाओं ने ठंडा पेयजल पदार्थ कोल्ड ड्रिंक का वितरण कर लोगों को गर्मी से राहत दिलाया। दरअसल अंबिकापुर के देव होटल के सामने शहर के कुछ युवाओं द्वारा कोल्ड ड्रिंक का वितरण किया गया जिसे पीने लोग जुटते रहे और काफी संख्या में लोगो ने इसका लाभ उठाया। युवाओं ने बताया कि इस धूप और गर्मी से बचने के लिए बहुत सारे तरीके अपनाए जा रहे हैं कहीं पेयजल तो कहीं ठंडे पानी का वितरण किया जा रहा है इसी को देखते हुए हम भी ठंडा कोल्ड ड्रिंक का वितरण कर रहे हैं और कोशिश करेंगे हमारे द्वारा इस तरह के कार्य होते रहे और लोगों को राहत मिलते रहे।

CMYK

AMBIKAPUR 12 JUNE 2024_Layout 2 6/11/2024 11:22 AM Page 4

चीन के पूर्व नौसेना अधिकारी ने ताइवान को चौंकाया, स्पीड बोट की मदद से ताइपे के करीब पहुंचा

ताइपे,11 जून 2024। चीन और ताइवान के बीच तनातनी की खबरें जग-जाहिर हैं। चीन लगातार ताइवान के समुद्री क्षेत्र में घुसपैठ कर रहा है और लगातार इस इलाके पर अपना दावा ठोक रहा है। इस बीच खुद को चीन की नौसेना का पूर्व अधिकारी बताने वाले एक शख्स ने ताइवान की नौसेना को हैरान कर दिया। दरअसल, यह शख्स ताइवान की राजधानी ताइपे के करीब अपनी स्पीड बोट की मदद से पहुंच गया।

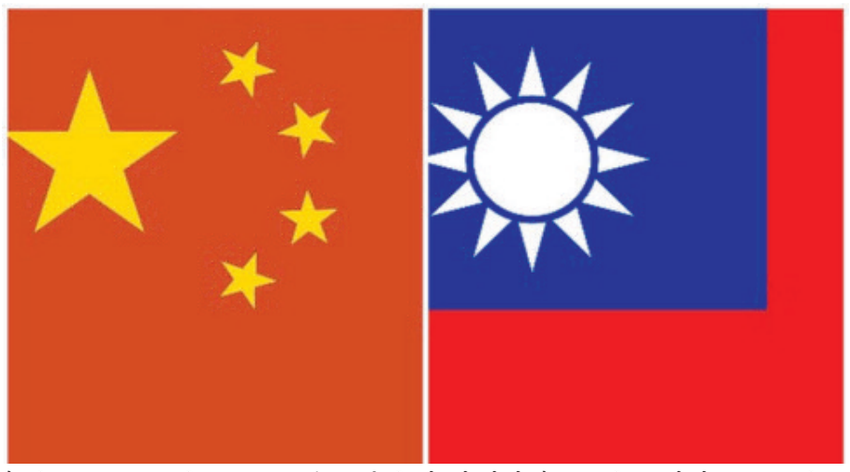

स्पीड बोट से एक नौका को मारी टक्कर

ताइवान में घुसने की कोशिश कर रहे चीन के तथाकथित पूर्व नौसेना कप्तान ने अपना नाम रुआन बताया। रुआन को ताइपे से 11 किलोमीटर दूर तामसुई की खाड़ी में देखा गया है। ताइवान के कोस्ट गार्ड के अनुसार ताइपे के करीब तामसुई नदी में प्रवेश करने के बाद संदिग्ध चीनी नागरिक ने अपनी स्पीड बोट से एक नौका को टक्कर मार दी। रुआन ने दावा कि है कि वह चीन का पूर्व नौसेना कैप्टेन रहा है। रुआन ने आगे बताया कि उसने एक दिन पहले चीन के फुजोऊ से ताइवान के लिए सफर शुरू किया था। ताइवान कोस्ट गार्ड का कहना है कि नाव में किसी भी तरह का खाद्य और पेय पदार्थ नहीं मिला है।

रुआन ने ताइवान के अधिकारियों को बताई ये बातें

ताइवान के कोस्ट गार्ड के अनुसार रुआन ने बताया कि उसे चीन के अधिकारियों की प्रताड़ना का सामना करना पड़ा और इस वजह से उसने ताइवान की तरफ भागने का मन बनाया। रुआन पर ताइवान के कई कानूनी नियमों को तोड़ने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

ताइवान में हर कोई हैरान

चीन और ताइवान के बीच चल रहे तनाव के बीच ऐसी हरकत से हर कोई हैरान है। इस घटना को लेकर ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू का कहना है कि ये चीन की सोची समझी रणनीति हो सकती है। इस बीच ताइपे के मेयर होउ यू यी ने इसे सुरक्षा में बड़ी चूक करार दिया है। उन्होंने कहा कि संदिग्ध चीनी नागरिक ताइपे से मजह 10 मिनट की दूरी पर था। मेयर ने कहा 'राष्ट्रीय सीमा सुरक्षा में कोई चूक बर्दाश्त नहीं की जा सकती। यह घटना दर्शाती है कि तटरक्षक बल को प्रभावी ढंग से प्रबंधित नहीं किया गया था।'

बता दें कि ताइवान के क्षेत्र में चीन की दखलअंदाजी का ताइपे के शीर्ष नेताओं द्वारा लगातार कड़ा विरोध किया जाता रहा है। चीन ताइवान पर लगातार अपना दावा ठोकता रहा है और इसे हर हाल में बलपूर्वक हासिल करना चाहता है।

यमन के तट पर प्रवासियों को ले जा रही नाव डूबी; 49 लोगों की मौत, करीब 140 लापता

काहिरा,11 जून 2024। यमन के तट पर प्रवासियों को ले जा रही एक नाव डूब गई, जिससे 49 लोगों की मौत हो गई और 140 लापता हो गए। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

आईओएम ने एक बयान में कहा कि नाव अदन की खाड़ी में 320 किलोमीटर (200 मील) की दूरी पर सोमालिया के उत्तरी तट से करीब 260 सोमालियाई और इथियोपियाई लोगों को लेकर जा रही थी। लेकिन यह यमन के दक्षिण तट पर डूब गई।

बयान के मुताबिक, लापता लोगों के लिए तलाशी अभियान जारी है और अब तक 71 लोगों को बचाया जा चुका है। मृतकों में 31 महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। यमन पूर्वी अफ्रीका और हॉर्न ऑफ अफ्रीका के उन प्रवासियों के लिए एक प्रमुख मार्ग है, जो काम के लिए खाड़ी देशों तक पहुंचने की कोशिश करते हैं। आईओएम ने पिछले महीने कहा था कि यमन में करीब एक दशक तक चले गृह युद्ध के बावजूद सालाना आने वाले प्रवासियों की संख्या 2021 से 2023 तक तीन गुना हो गई, जो करीब 27 हजार से बढ़कर 90 हजार से ज्यादा हो गई। एजेंसी के मुताबिक, वर्तमान में यमन में करीब 3,80,000 प्रवासी हैं। तस्कर प्रवासियों को यमन पहुंचाने के लिए अक्सर भीड़भाड़ वाली नौकाओं पर लाल सागर या अदन की खाड़ी में ले जाते हैं। अप्रैल में यमन पहुंचने की कोशिश कर रहे जिबूती के तट पर दो जहाज डूब गए थे। जिसमें कम से कम 62 लोगों की मौत हो गई थी। आईओएम ने कहा कि इस मार्ग में कम से कम 1,860 लोग मारे गए या लापता हो गए। जिनमें से 480 लोग डूब गए।

लेफ्टिनेंट जनरल वेकर उज जमान बने बांग्लादेश के सेना प्रमुख, संभाल चुके हैं अहम जिम्मेदारियां

ढाका,11 जून 2024। लेफ्टिनेंट जनरल वेकर उज जमान को अगले तीन साल के लिए बांग्लादेश सेना के प्रमुख के तौर पर नामित किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। लेफ्टिनेंट जनरल वेकर उज जमान 23 जून से कार्यभार संभालेंगे। 58 वर्षीय लेफ्टिनेंट जनरल वेकर जमान को कार्यभार संभालने के दिन ही चार सितारा जनरल के पद पर अपग्रेड कर दिया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, लेफ्टिनेंट जनरल वेकर उज जमान को जनरल के रूप में पदोन्नति के साथ सेना प्रमुख के तौर पर 23 जून से नियुक्त किया जाता है। वह जनरल एसएम सैफुद्दीन अहमद की जगह लेंगे। जमान 1985 में इन्फैंट्री कॉर्प्स के अफसर के रूप में नियुक्त हुए थे। वे अब बांग्लादेश सेना के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ (सीजीएस) हैं। चीफ ऑफ स्टाफ, जिसे आसान शब्दों में सेना प्रमुख कहा जाता है।

सीजीएस के तौर पर जमान सैन्य अभियान, सैन्य खुफिया संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मामले और बजट समेत अन्य सैन्य मुद्दों की देखरेख करेंगे। साढ़े तीन दशक से अधिक के शानदार करियर में जमान के पास प्रमुख कमांड, स्टाफ और निर्देशात्मक नियुक्तियां संभालने का अनुभव है। उन्होंने इनफैंट्री बटालियन और इफैंट्री डिवीजन की भी कमान संभाल चुके हैं। सशस्त्र बल प्रभाग के प्रमुख के तौर पर वह बांग्लादेश सशस्त्र बलों के संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मामलों से सीधे जुड़े हुए थे। संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा मामलों के लिए उन्हें बांग्लादेश के जेंडर चैंपियन और जेंडर एडवोकेट के रूप में भी नामांकित किया गया था।

जमान ने बांग्लादेश नेशनल ऑथोरिटी ऑफ केमिकल वीपंस कनवेंशन का भी नेतृत्व किया। वह बांग्लादेश डिफेंस सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज और यूनाइटेड किंगडम के ज्वाइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज के पूर्व छात्र हैं।

जिला प्रशासन और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में सरगुजा में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर यूनिसेफ, सरगुजा द्वारा मंगलवार को बच्चों और पालकों के साथ का विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह वैश्विक अभियान बच्चों के समग्र विकास में खेल के महत्व को दर्शाता है। खेल दिवस के अवसर पर आसनडीह पहाड़ी कोरवा बसाहट में पालक सत्र का आयोजन कर पालकों के साथ बच्चों में स्थानीय खेल को बढ़ावा देने हेतु गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर यूनिसेफ छत्तीसगढ़ की शिक्षा विशेषज्ञ छाया कुंवर ने कहा कि खेल हर बच्चे का मौलिक अधिकार है। यह उनके संज्ञानात्मक, शारीरिक, सामाजिक, और भावनात्मक कल्याण में योगदान देता है।

खेल बौद्धिक, सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक क्षेत्रों में सीखने के अवसर पैदा करता है - खेल के माध्यम से, बच्चे दूसरों से संबंध बनाते हैं, कुशल नेतृत्व कौशल विकसित करते हैं, चुनौतियों का सामना करते हैं और अपने डरों को जीतते हैं। जिला प्रशासन और यूनिसेफ छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के आदेशानुसार जिले के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में अत्यंत हर्ष के साथ खेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर खेल के महत्व को बढ़ावा देते हुए माता-पिता के साथ बच्चों को पारंपरिक और अन्य खेलों में सक्रिय किया गया। समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों और सार्वजनिक स्थानों पर हंसी और आनंद का केंद्र बनाया गया, जहां बच्चे विभिन्न स्थानीय खेलों और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिए।

महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से यूनिसेफ द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों पर परवरिश के चैंपियन (पालन पोषण चैंपियन) कार्यक्रम के तहत खेल के महत्व पर सत्र आयोजित कर रहा है। कई केंद्रों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों के साथ स्थानीय खेल खेले, इसके अलावा आयोजित सेक्टर बैठक में परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक द्वारा कविता गाकर और खेल खेलकर खेल दिवस मनाया।

पीएम जनमन योजना के तहत विभागवार योजनाओं की प्रगति की ली गई जानकारी,लंबित राजस्व प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण के दिया गया निर्देश

» अपर कलेक्टर सुनील नायक की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक संपन्न

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रभारी कलेक्टर श्री सुनील नायक की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश राजपूत, अपर कलेक्टर श्री ए एल ध्रुव, अनुविभागीय अधिकारी सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में पीएम जनमन योजना की समीक्षा की गई। पहाड़ी कोरवा बसाहटों में पीएम जनमन योजना की श्री नायक ने विभागवार विगत 15 दिनों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीएम जनमन योजना के तहत शामिल योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहाड़ी कोरवा परिवारों तक पहुंचे। उन्होंने पीएम जनमन योजना के तहत पहाड़ी कोरवा परिवारों से आधार कार्ड, राशनकार्ड, पेयजल, जनधन खाते, विद्युत आदि सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बहुत से योजनाओं हेतु आधार कार्ड की अनिवार्यता है, इसलिए प्राथमिकता के साथ आधार कार्ड बनाने में तेजी लाएं ताकि सभी सुविधाएं जल्द से जल्द लोगों को मिल सके। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान अपर कलेक्टर श्री नायक ने स्वीकृत आवास, प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की। इसके साथ ही बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों की जानकारी ली गई तथा समय सीमा में पूर्ण किए जाने निर्देशित किया गया।

स्वच्छता हरित ग्राम सप्ताह कार्यक्रम के तहत विकासखण्ड के 74 ग्रामों में साफ-सफाई की

» वृक्षारोपण, जलसंरक्षण, स्वच्छता का दिया सन्देश

- संवाददाता -
लखनपुर,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

राज्य शासन के निर्देशानुसार सरगुजा जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ज़िले के समस्त विकास खंडों के सभी ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत स्वच्छ हरित ग्राम सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा। इसी तारतम्य में जनपद सीईओ वेद प्रकाश पांडे के मार्गदर्शन में लखनपुर विकासखंड के 74 ग्राम पंचायतो में स्वच्छ हरित ग्राम सप्ताह के तहत श्रमदान से सफाई अभियान चलाया गया जिसमें सभी सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई की गई है तथा घर-घर कचरा कलेक्शन कर जल संरक्षण वृक्षारोपण और स्वच्छता का संदेश दिया। मंगलवार को कार्यक्रम अधिकारी अभिषेक मिंज ने बताया कि 13जून दिन बुधवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नूतन कुमार कंवर लखनपुर विकासखंड के ग्राम कटिंदा में स्वच्छ हरित ग्राम सप्ताह कार्यक्रम के तहत ग्राम पौधारोपण करेंगे और ग्राम लोसगी पंचायत भवन में स्वच्छ हरित ग्राम सप्ताह कार्यक्रम का लोगों से सीधे संवाद करते हुए कार्यक्रम का समापन करेंगे।

बलौदाबाजार की घटना दुर्भाग्यपूर्ण,अप्रिय स्थिति का कारण सरकार की लापरवाही

पूर्व मंत्री डॉक्टर प्रेमसाय सिंह ने घटना की निंदा करते हुए लोगों से संयम बरतने की अपील की

- संवाददाता -
प्रतापपुर,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

बलौदा बाजार की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और इस अप्रिय स्थिति का कारण सरकार की लापरवाही है।छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व मंत्री डॉक्टर प्रेमसाय सिंह ने घटना को लेकर कहा कि पंद्रह दिनों पहले असामाजिक तत्वों द्वारा पवित्र जैत खम्भ को नुकसान पहुंचाने के मामले में त्वरित कठोर कार्यवाही की गयी होती तो शायद यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं होती। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील करते हुए कहा कि संयम और शांति बनाये रखे, कानून को हाथ में न ले। सभ्य समाज में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। बाबा साहब के बनाये कानून पर भरोसा रखे। पूर्व मंत्री ने कहा कि प्रदेश भाजपा की साय सरकार की अकर्मण्यता के चलते ही बलौदाबाजार में कानून व्यवस्था बिगड़ी है। यदि समय रहते जैतखाम को क्षति पहुंचाने वालों पर कार्यवाही की गई होती और आहत समाज से संवाद किया गया होता तो ऐसी अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं होती। धार्मिक भावनाएं आहत होने पर आंदोलित समाज को पहले ही विश्वास में लिया गया होता तो ऐसे विध्वंसक प्रतिक्रिया नहीं होती।गौरतलब है कि गिरौदपुरी धाम से 5 किलोमीटर दूर एक बस्ती मानाकोनी है। यहां पर पुरानी गुफा है, जो बाघिन गुफा के नाम से प्रचलित है।

जहां जैतखाम और सतनामी समाज के पूजा स्थल में तोड़-फोड़ की गई थी। इससे पूरे सतनामी समाज में आक्रोश है। इसके बाद समाज के लोगों ने पहले भी प्रर्दशन और चक्का जाम करके विरोध प्रदर्शन किया था। डॉक्टर प्रेमसाय सिंह ने कहा कि पूरे घटनाक्रम में घोर प्रशासनिक लापरवाही स्पष्ट है। साय सरकार आने के बाद से छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था बेहद खराब हो चुकी है और बलौदाबाजार के साथ प्रदेश की स्थिति चिंताजनक है।इस तरह की यह देश की पहली घटना है,ताज्जुब की बात है कि सरकार उन्हें न तो समझा पाई और नहीं रोक पाई,प्रशासन को इतने बड़े आंदोलन की भनक भी नही लगी।भाजपा की इस डबल इंजन की सरकार में कुछ भी संभव है और यही कारण कि छत्तीसगढ़ भी मणिपुर की तरह जल रहा है।

CMYK

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना
कोरिया-सूरजपुर -समाचार
अम्बिकापुर ,बुधवार 12 जून 2024

जिला सहकारी बैंक मर्यादित पटना शाखा का उद्घाटन हुए

बीते डेढ़ साल,अभी भी बैंक का संचालन का इंतजार

पटना क्षेत्र के किसान भीषण गर्मी में बैकुंठपुर जाकर जिला सहकारी बैंक में लाइन लगाने मजबूर,तत्कालीन कांग्रेस शासन में हुई थी बैंक स्थापना की घोषणा

तत्कालीन मुख्यमंत्री से लोगों ने की थी मांग,पटना पहुंचे मुख्यमंत्री ने दी थी सौगात, उद्घाटन के बाद भी आखिर बैंक का संचालन क्यों नहीं हुआ शुरू?

जब हुई थी घोषणा हुआ था उद्घाटन प्रदेश में थी कांग्रेस पार्टी की सरकार देश में भाजपा की सरकार

परस्पर राज्य एवम केंद्र में अलग अलग दल की सरकार होने की वजह से नहीं खुल पा रहा था बैंक यह बताई जा रही थी जानकारी

-रवि सिंह-
कोरिया,11 जून 2024
(घटती-घटना)।

वर्ष 2022 दिसंबर महीने में कोरिया जिले के पटना क्षेत्र के किसानों को होने वाली बैंकिंग की समस्या जो उनके आवागमन को लेकर होती है जिसके अंतर्गत उन्हे जिला सहकारी बैंक के काम से राशि आहरण करने के लिए जिला मुख्यालय की दूरी तय करनी पड़ती है वहीं वहां भी दिन दिन भर धूप गर्मी बरसात और ठंड झेलनी पड़ती है की दृष्टिगत रखते हुए किसानों की मांग पर तत्कालीन कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री के द्वारा पटना कार्यक्रम में पहुंचने पर मंच से घोषणा की गई की पटना में जिला सहकारी बैंक की शाखा खोलने की वह अनुमति देते हैं और जिसके बाद विभाग भी हरकत में आया था और दिसम्बर माह में पुराने खाली पड़े शासकीय भवन में बैंक स्थापित किए जाने के लिए उद्घाटन समारोह रखा गया था और जहां तत्कालीन विधायक भी उपस्थित हुई थीं और क्षेत्र की जनता भी उपस्थित हुई थी और सभी की उपस्थिति में उद्घाटन हुआ था और उद्घाटन उपरांत भवन के मरम्मत और बैंक स्थापना हेतु आवश्यक ढांचा तैयार करने सुविधा युक्त भवन तैयार करने राशि भी जारी की गई थी और बैंक के हिसाब से भवन तैयार हो गया था।

जब बैंक खुलने की बात सामने आई तब उस समय यह बताया गया लोगों को की आरबीआई से अनुमति नहीं मिलने की वजह से बैंक नहीं खुल रहा है क्योंकि केंद्र में भाजपा की सरकार है और प्रदेश में कांग्रेस की इसलिए यह समस्या आ रही है और शायद यह बात सही भी निकली क्योंकि वर्ष भर तक कोई प्रगति बैंक को लेकर उसकी स्थापना को लेकर नहीं देखी सुनी गई। खैर प्रदेश में समय से साथ सत्ता परिवर्तन हो गया और कुछ महीनों बाद ही केंद्र में भी पुनः भाजपा की ही सरकार बन गई क्या अब बैंक खुल जायेगा यह प्रश्न अब उठने लगा है क्योंकि क्षेत्र के किसान यह चाहते हैं की पटना में सहकारी बैंक की शाखा हो जिससे उन्हे बैकुंठपुर न जाना पड़े वहीं उनका समय बच सके वहीं पटना में बैंक की स्थापना यहां के निवासी और व्यापारी भी चाहते हैं उनका मानना है की इससे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। अब सवाल यह उठ रहा है की क्या वर्तमान भाजपा सरकार प्रदेश की किसानों की निवासियों की और व्यापारियों की मांग पटना क्षेत्र के समझेगी क्या वह बैंक की स्थापना करेगी। वैसे इस मामले में स्थानीय विधायक को भी ध्यान देना चाहिए यह लोगों का कहना है। बता दें की स्थानीय विधायक को सबसे ज्यादा समर्थन देने वाला क्षेत्र चुनावों में पटना क्षेत्र ही है और यदि इस क्षेत्र के लोग सहकारी बैंक की शाखा पटना में चाहते हैं तो उन्हे इस तरफ ध्यान देकर इसकी स्थापना करानी चाहिए ऐसा लोगो का मानना है। आरबीआई से अनुमति की बात यदि आवश्यक है तो अब उसमे भी दिक्कत नहीं हाई होगी क्योंकि केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार है। वैसे पटना में सहकारी बैंक की स्थापना के बाद क्षेत्र के किसानों की समस्या खत्म होगी ऐसा कहना गलत नहीं होगा क्योंकि उन्हे बड़ी दूरी तय करनी होती है वहीं वहां जाकर उन्हे लंबी लाइन लगानी पड़ती है और इस तरह उनका पूरा दिन खराब हो जाता है वही उन्हे ठंड बरसात गर्मी की मार झेलनी पड़ती है क्योंकि बैकुंठपुर

श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से चिरमिरी में खुलेगा शासकीय पालीटेक्निक कालेज

240 सीटों वाले पालीटेक्निक में माइनिंग इंजीनियरिंग समेत डिप्लोमा के चार कोर्स होंगे संचालित

-संवाददाता-
चिरमिरी/रायपुर 11 जून 2024 (घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ के स्थानीय विधायक और प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले को शासकीय पालिटेक्निक कालेज की सौगात मिली है। आल इंडिया काउंसिल फार टेक्निकल एजुकेशन ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए 240 सीटों की मंजूरी दी है। ये पालीटेक्निक कालेज चिरमिरी में स्थापित होगा। इसमें सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा के लिए 60 सीट, जिओग्राफिक इंफार्मेशन सिस्टम (जीआईएस) एवं ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) में डिप्लोमा के लिए 60 सीट, मेकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा के लिए 60 सीट तथा माइनिंग इंजीनियरिंग में डिप्लोमा के लिए

60 सीटों का प्रावधान है। ये पालिटेक्निक कालेज छत्तीसगढ़ के स्वामी विवेकानंद टेक्निकल यूनिवर्सिटी, भिलाई से संबद्ध होगा। श्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयास से खुलने जा रहे इस पालिटेक्निक कालेज को लेकर क्षेत्र के लोगों में हर्ष का माहौल है। गौरतलब है कि चिरमिरी एक औद्योगिक क्षेत्र है और यहां के युवाओं के लिए माइनिंग में काफी संभावनाएं हैं। क्षेत्र की जनता लगातार इसके लिए पालिटेक्निक कालेज की मांग कर रही थी, किंतु पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार और स्थानीय कांग्रेस के पूर्व विधायक ने कभी भी क्षेत्र की इस मांग पर ध्यान नहीं दिया और युवाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य से उपेक्षित रखा।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी दूर करने विशेष सचिव की अगुवाई में बनेगी कमेटी

कमेटी में होंगे मेडिकल कालेज के डीन,सीनियर मेडिकल प्रोफेसर्स के अलावा वित्त एवं स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारी।

डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता और स्वास्थ्य मंत्री तथा उप-मुख्यमंत्री की उपस्थिति में राजनांदगांव व कवर्धा मेडिकल कालेज की भी हुई समीक्षा

-संवाददाता-
चिरमिरी/रायपुर,11 जून 2024
(घटती-घटना)।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज विधानसभा सचिवालय में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल तथा उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की उपस्थिति में प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था तथा मेडिकल कालेजों की सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। विधानसभा अध्यक्ष ने प्रदेश के मेडिकल कालेजों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को लेकर चिंता जाहिर की और उनके मानदेय को बढ़ाने तथा उन्हें नियमित करने को लेकर जरूरी निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के सुझाव पर स्वास्थ्य विभाग को एक कमेटी बनाने के निर्देश दिए हैं।

इस कमेटी में स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव नोडल अधिकारी होंगे। कमेटी में वित्त तथा स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारी के साथ ही किसी मेडिकल कालेज के डीन तथा सीनियर प्रोफेसर भी शामिल होंगे। ये कमेटी एक महीने में विशेषज्ञ चिकित्सकों के मानदेय और उनके नियमितिकरण करने के प्रावधान के बारे में पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के प्रावधानों और नियमों का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बैठक में राजनांदगांव व कवर्धा समेत प्रदेश के सभी मेडिकल कालेजों की सुविधाओं व स्थापना को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि राज्य की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभाग को लधु एवं दीर्घ लक्ष्य बनाकर काम करना चाहिए, ताकि समयबद्ध तरीके से काम हो सके और ज्यादा से ज्यादा लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित हो सके। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को असिस्टेंट प्रोफेसर्स के रिक्त पदों को जल्द पीएससी के माध्यम से शीघ्र भर्ती करने की बात स्वास्थ्य मंत्री से कही।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बैठक में प्रदेश के निर्माणाधीन मेडिकल कालेजों के बारे में जानकारी लेते हुए उनकी शीघ्र स्थापना के लिए आवश्यक कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्री जायसवाल ने राज्य के मेडिकल कालेजों और जिला अस्पतालों में सुविधाओं के विस्तार तथा खाली पदों को भरने को लेकर भी विभाग के उच्च अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए ताकि राज्य की जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। समीक्षा बैठक में विधानसभा के सचिव श्री दिनेश शर्मा, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ, वित्त विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल, स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव श्री चंदन कुमार, सीजीएमएससी की एमडी श्रीमती पद्मिनी भोई साहू, चिकित्सा शिक्षा के संचालक डॉ यू.एस. पैंकरा समेत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रोबोटिक टेक्नोलॉजी में समझ बनाने जापान जाने वाली छात्रा प्रगति का छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन कोरिया इकाई ने किया सम्मान,किया प्रोत्साहित

जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया की प्रेरणा से संघ ने लिया छात्रा को प्रोत्साहित करने का निर्णय,घर पहुंचकर प्रदान की प्रोत्साहन राशि

-संवाददाता-
कोरिया,11 जून 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के पोड़ी बचरा तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम बड़े कलुआ की छात्रा प्रगति सिंह जो की पोड़ी बचरा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में कक्षा 11 वीं जीव विज्ञान विषय की छात्रा है का चयन प्रदेश के उन तीन छात्रों के रूप में हुआ है जो रोबोटिक टेक्नोलॉजी में बेहतर समझ बनाने के लिए जापान जायेंगे। जिले की होनहार छात्रा प्रगति सिंह का चयन होने पर जिले के लोग गौरवान्वित हैं।

बता दें की जिले की छात्रा के चयन से शासकीय विद्यालयों के शिक्षक भी काफी उत्साहित हैं और इसी

तारतम्य में उन्होंने छात्रा को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया और छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन जिला इकाई कोरिया के द्वारा छात्रा के घर जाकर उसे प्रोत्साहित किया गया एवम प्रोत्साहन राशि भी प्रदान किया गया। छात्रा को संगठन ने दस हजार की प्रोत्साहन राशि प्रदान करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई वहीं उसकी जापान यात्रा सफल एवम सार्थक हो इसकी शुभकामनाएं प्रदान की गई। प्रोत्साहन राशि प्रदान करने छात्रा के घर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ब्लॉक इकाई बैकुंठपुर के अध्यक्ष रूपेश कुमार सिंह सहित राघव प्रताप सिंह,राजेंद्र जायसवाल एवम विमल कुमार सिरदार पहुंचे थे और उन्होंने छात्रा के परिवार जनों की उपस्थिति में प्रोत्साहन राशि छात्रा को प्रदान की। प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का निर्णय जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया के प्रेरणा उपरांत लिया जाना और जिलाध्यक्ष एवम जिला सचिव छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन का इस हेतु ब्लॉक इकाई बैकुंठपुर को त्वरित निर्देश जारी किया जाना यह बताता है की शिक्षक संघ ने कितनी गंभीरता और उत्साह प्रदर्शित किया है प्रोत्साहन मामले में और जिसमे जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया की प्रेरणा शामिल है।

100 बिस्तरीय जनकपुर अस्पताल में पद सृजन करने विधायक ने लिखा स्वास्थ्य मंत्री को पत्र

विधायक रेणुका सिंह ने कहा स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दे पर हमारी सरकार प्रतिबद्ध

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,11 जून 2024
(घटती-घटना)।

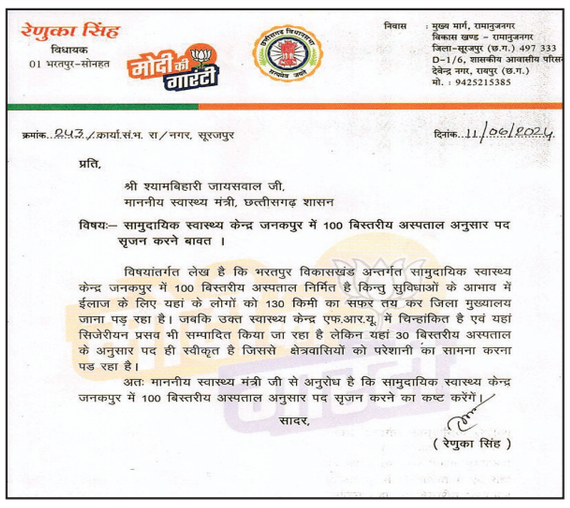

पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को पत्र लिखकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जनकपुर में 100 बिस्तरीय अस्पताल अनुसार पद सृजन करने की मांग की है। विधायक रेणुका सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को लिखे पत्र में यह उल्लेखित किया है कि भरतपुर विकासखंड अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जनकपुर में 100 बिस्तरीय अस्पताल निर्मित है किन्तु सुविधाओं के आभाव में ईलाज के लिए यहां के लोगों को 130 किमी का सफर तय कर जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ या कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के अलावा पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश जाना पड़ रहा है। जबकि उक्त स्वास्थ्य केन्द्र एफ.आर.यू. में चिन्हांकित है एवं यहां सिजेरीयन प्रसव भी सम्पादित किया जा रहा है लेकिन यहां 30 बिस्तरीय अस्पताल के अनुसार पद ही स्वीकृत है जिससे क्षेत्रवासियों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को लिखे हुए पत्र में विधायक रेणुका सिंह ने अनुरोध किया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जनकपुर में 100 बिस्तरीय अस्पताल अनुसार पद सृजन होने से वनांचल क्षेत्र के लोगो को अपने ही क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया होगी। गौरतलब है कि मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले में भरतपुर ब्लाक आदिवासी बहुल है। यहां 100 बिस्तरीय अस्पताल अनुसार पद सृजित होने से समय पर ईलाज न मिल पाने जैसी समस्या खत्म होगी

विधायक रेणुका सिंह का कहना है कि स्वास्थ्य जैसे मुद्दे पर हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेश के हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया हो इसके लिए कार्य किये जा रहे है। गौरतलब है कि अभी जनकपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 35 स्टाफ कार्यरत है। जबकि 100 बिस्तरीय अस्पताल में 100 से ज्यादा स्टाफ की आवश्यकता होती है।

रेणुका सिंह
विधायक
01 भरतपुर-सोनहत

निवास : मुख्य मार्ग, रामानुजनगर
विकास खण्ड - रामानुजनगर
जिला-सूरजपुर (छ.ग.) 497 333
D-1/6, शासकीय आवासीय परिसर
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
मो. : 9425215385

क्रमांक 243 /कार्या.सं.भ. रा/नगर, सूरजपुर   दिनांक 11/06/2024

प्रति,

श्री श्यामबिहारी जायसवाल जी,
माननीय स्वास्थ्य मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

विषयः- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जनकपुर में 100 बिस्तरीय अस्पताल अनुसार पद सृजन करने बावत ।

विषयांतर्गत लेख है कि भरतपुर विकासखंड अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जनकपुर में 100 बिस्तरीय अस्पताल निर्मित है किन्तु सुविधाओं के आभाव में ईलाज के लिए यहां के लोगों को 130 किमी का सफर तय कर जिला मुख्यालय जाना पड़ रहा है। जबकि उक्त स्वास्थ्य केन्द्र एफ.आर.यू. में चिन्हांकित है एवं यहां सिजेरीयन प्रसव भी सम्पादित किया जा रहा है लेकिन यहां 30 बिस्तरीय अस्पताल के अनुसार पद ही स्वीकृत है जिससे क्षेत्रवासियों को परेशानी का सामना करना पड रहा है।

अतः माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से अनुरोध है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जनकपुर में 100 बिस्तरीय अस्पताल अनुसार पद सृजन करने का कष्ट करेंगें।

सादर,

(रेणुका सिंह)

AMBIKAPUR 12 JUNE 2024_Layout 2 6/11/2024 11:22 AM Page 6

पैसा लगाकर फ्री फायर गेम खेलने की लत ने ली छात्र की जान

पैसा हारने पर डांट की डर से फांसी लगाकर कर ली खुदकुशी

-संवाददाता-
जशपुर/बगीचा,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

नारायणपुर थाना क्षेत्र से एक छात्र के आत्महत्या करने की खबर आई है। बताया जाता है कि उसे मोबाइल में फ्री फायर गेम खेलने की लत थी और वह पैसा लगाकर गेम खेलता था। गेम में पैसा हारने और घरवालों की डांट की डर से छात्र ने आत्महत्या कर ली। ग्राम पंचायत कलिया के बनखेता गांव के 12 वीं कक्षा के छात्र सुमित लकड़ा पिता भोला लकड़ा, उम्र 18 वर्ष को फ्री फायर गेम की लत लग गई थी। दिन भर वह मोबाइल में गेम खेलने में लगा रहता था। जानकारी के मुताबिक वह पैसा लगाकर गेम खेलता था। गेम में वह काफी पैसा हार चुका था। उसका एक भाई विनीत लकड़ा मुंबई में रहता है। बीते फरवरी में सुमित ने अपने भाई विनीत से घर का बोर बनवाने की बात बोलकर उससे 5 हजार रुपए लिया था, उसे भी वह फ्री फायर गेम में हार गया। मंगलवार को सुमित घर में अकेला था। उसके घर वाले महुआ डोरी चुनने गए हुए थे। इसी बीच सुमित ने घर में रखी चुन्नी से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। मामले की सूचना पर नारायणपुर पुलिस जांच में जुट गई है।

बच्चों व किशोरों को जल्दी लगती है गेम की लत

रांची विवि में मनोविज्ञान की स्टूडेंट वर्तिका पाठक का कहना है कि बच्चों व किशोरों को मोबाइल गेम की लत जल्दी लगती है। मोबाइल फोन की स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताने से दिमाग को खुशी मिलती है। ऐसे में ब्रेन से डोपामाइन हार्मोन तेजी से रिलीज होता है। यह हार्मोन हैप्पी हार्मोंस में से एक है। इस हार्मोन के ज्यादा रिलीज होने से ज्यादा मजा आने लगता है जो धीरे-धीरे लत में बदल जाता है। जिससे बच्चा मोबाइल स्क्रीन से नजर हटाने तक का नाम नहीं लेता है।अगर छोटी उम्र में डोपामाइन का लेवल हाई हो जाता है तो बच्चे का ध्यान इधर-उधर बंट जाता है। पढ़ाई में कॉन्सेंट्रेट नहीं कर पाता है।

मेंटल हेल्थ खराब कर रहे मोबाइल गेम

सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग की लत का प्रभाव बच्चों की मेंटल हेल्थ पर पड़ रहा है और बच्चे मेंटल हेल्थ डिसऑर्डर्स के शिकार हो रहे हैं। उनमें स्ट्रेस, सोशल एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। साथ ही उनमें आत्मविश्वास की कमी, पढ़ाई पर फोकस, सामाजिकता की कमी और अनिद्रा जैसी समस्याएं आ रहीं हैं। इसके अलावा छोटे बच्चों व किशोरों के व्यवहार में भी बदलाव देखा जा रहा है। वे ज्यादा चिड़चिड़े और गुस्सैल होते जा रहे हैं।

बच्चों को कैसे दूर रखें इसकी लत से

आज के समय में बच्चे आउटडोर खेलों से ज्यादा इंडोर या डिजीटल गेम्स खेलना पसंद करते हैं। जिसके चलते ज्यादातर बच्चे ऑनलाइन गेम खेलने की लत का भी शिकार हो जाते हैं। इंटरनेट के इस दौर में बच्चे अक्सर फोन, लैपटॉप और टैबलेट पर अलग-अलग ऑनलाइन गेम खेलते रहते हैं. वहीं, पबजी और फ्री फायर जैसे ऑनलाइन गेम बच्चों के बीच में काफी पॉपुलर हो चुके हैं। ऑनलाइन गेमिंग की लत बच्चों के मेंटल हेल्थ पर बुरा असर डालती है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चों को ऑनलाइन गेम्स से दूर रखा जाए और मोबाइल, लैपटॉप या टैबलेट पर उनकी स्क्रीनिंग टाइम सीमित की जाए। इसके लिए सबसे पहले शुरु से ही अभिभावकों को ध्यान देने की जरूरत है। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से बच्चों की दूरी बनाएं। अगर पढ़ाई के लिए जरूरी हो तो सीमित समय के लिए उन्हें मोबाइल दें और मॉनिटरिंग करते रहें। बच्चों को आउटडोर गेम्स की ओर प्रोत्साहित करें। उनकी पेंटिंग्स, गार्डनिंग जैसी अभिरुचियों को करने के लिए प्रेरित करें। फ्रेंडली माहौल में बच्चों से बातें करें और बातों बातों में ही उन्हे मोबाइल गेम्स के नुकसानों से अवगत कराएं। बच्चों को ज्यादा डांट- डपट न करें। ऐसे ही कुछ टिप्स अपनाकर बच्चों में मोबाइल गेम्स की लत लगने से बचाया जा सकता है।

राजस्व अधिकारी ने स्वयं को बचाने के लिए ग्रामीण पर 420 और अन्य धाराओं के तहत करवाया एफआईआर दर्ज

-संवाददाता-
बलरामपुर,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के बसंतपुर निवासी सीताराम अग्रवाल और श्याम अग्रवाल अवधेश कुशवाहा अन्य के द्वारा थाना बसंतपुर के द्वारा पुलिस अधीक्षक बलरामपुर को लिखित शिकायत दिया गया है कि बसंतपुर स्थित खसरा नंबर 611 रकबा 0.15 हेक्टेयर भूमि शासकीय भूमि जिसका बसंतपुर निवासी पवन अग्रवाल एवं सरवन अग्रवाल के द्वारा बनवा लिया गया है। इसके बाद भू अभिलेखागार बलरामपुर से प्राप्त दस्तावेज का अवलोकन किया गया तो उसमें पाया गया कि दो आदेश एक ही दिनांक 27 /08/ 2021 को दो आदेश पारित किया गया जिसमें पहले आदेश में भूमि सुधार योग नहीं है तो वहीं दूसरी आदेश में फिर से तहसीलदार द्वारा सुधार योग भूमि का आदेश पारित किया जाता है।

ग्राम पंचायत बसंतपुर में खसरा नंबर 611 लगभग 0.15 हेक्टेयर भूमिका आदेश दिनांक 18 /10 /2022 को वाड्रफनगर के तत्कालीन तहसीलदार सुरेंद्र पैकरा ने 1 वर्ष बाद बसंतपुर हल्का पटवारी को रिकार्ड दुरुस्त करने का आदेश दिया आदेश के तहत बसंतपुर हल्का पटवारी के द्वारा बसंतपुर निवासी पवन अग्रवाल एवं सरवन अग्रवाल का नाम पर दर्ज किया गया इससे स्पष्ट होता है की राजस्व अधिकारी अपने आप को बचाने के लिए ग्रामीण के ऊपर 420 एवं अन्य धारा के तहत को पवन अग्रवाल को तत्काल गिरफ्तार का जेल भेज दिया जाता है ।

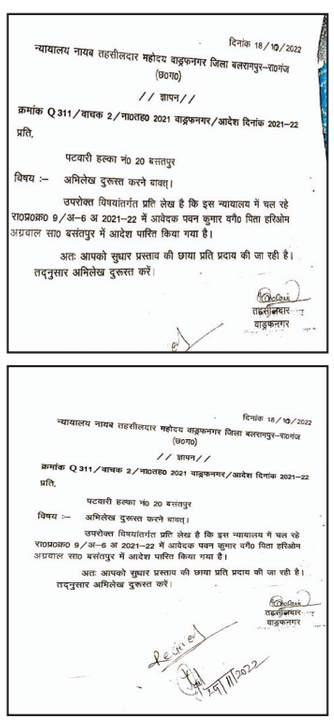

वहीं अब आगे देखने वाली बात होगी कि ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों और नियम कानून को ताक पर रख कर काम करने वाले और अपने आप को भगवान समझने वाले अधिकारियों पर क्या कार्रवाई होती है आने वाले समय में पता चलेगा।

वही तहसीलदार ने अपने बयान में कहा है कि सरवन अग्रवाल एवं पवन अग्रवाल के द्वारा रिकॉर्ड में छेड़छाड़ किया गया है जबकि सारे दस्तावेज तहसीलदार और उच्च अधिकारियों के नेतृत्व में रखे जाते हैं और उच्च अधिकारियों के निर्देश पर ही सभी दस्तावेज बाहर निकल जाते हैं और देखे जाते हैं फिर आम पब्लिक इन 10 चीजों के साथ में कैसे छेड़छाड़ कर सकता है। यह तो वही अंधे को सुरमा लगाने जैसी कहावत सिद्ध होती है क्योंकि अधिकारियों के अधिकारियों के अलावा कोई और भी उन दस्तावेजों के साथ में छेड़छाड़ नहीं कर सकता है। इसी तरीके का मामला रामानुजगंज में भी है और अधिकारी कर्मचारियों के मिली भगत से भू माफिया शहर के वन भूमि के रकबो की फर्जी पट्टे दिखाकर रजिस्ट्री करवाए जा रहे हैं कुछ वर्ष पूर्व में ही रामानुजगंज में फर्जी तरीके से रजिस्ट्री वन भूमि के पत्ते बनाने के मामले चर्चा में थे और तत्कालीन कलेक्टर ने इसमें जाट टीम भी गठित किया था लेकिन जहां टीम के द्वारा क्या जांच की गई वह ठंडा बस्ती में पड़े हुए वहीं तत्कालीन प्रभारी अधिकारियों पर किसी भी प्रकार की कोई भी कार्रवाई नहीं की गई जिससे साफ जाहिर होता है कि तत्कालीन अधिकारियों में मिली भगत थी। जिले में भूस्वामी अपनी पुश्तैनी जमीनों को बचाने के लिए अपने प्लाटों में बोर्ड लगाकर लोगों को ऐसे भू माफिया से बचने के लिए नोटिस लगाया हुआ है। आप इस बोर्ड को देखकर समझ सकते हैं कि रामानुजगंज क्षेत्र में किस तरीके से भूमिया सक्रिय हैं लोग इतने भयभीत है कि अपनी जमीनों में बोर्ड लगाने पर विवश हो गए हैं।

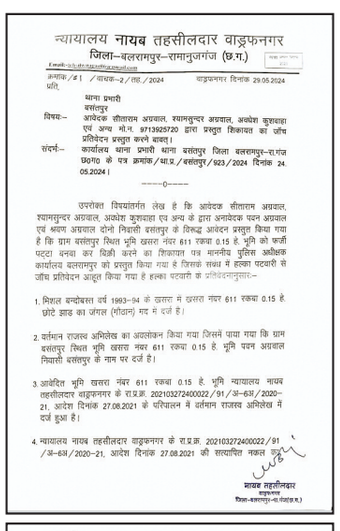

दिनांक 18 / 10 / 2022

न्यायालय नायब तहसीलदार महोदय वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रा0गंज (छ0ग0)

// ज्ञापन //

क्रमांक Q 311 / वाचक 2 / ना0तह0 2021 वाड्रफनगर / आदेश दिनांक 2021-22

प्रति,

पटवारी हल्का नं0 20 बसंतपुर

विषय :- अभिलेख दुरुस्त करने बावत्।

उपरोक्त विषयांतर्गत प्रति लेख है कि इस न्यायालय में चल रहे रा0प्र0क्र0 9/अ-6 अ 2021-22 में आवेदक पवन कुमार व0गै0 पिता हरिओम अग्रवाल सा0 बसंतपुर में आदेश पारित किया गया है।

अतः आपको सुधार प्रस्ताव की छाया प्रति प्रदाय की जा रही है। तदनुसार अभिलेख दुरुस्त करें।

तहसीलदार वाड्रफनगर

हाथी के हमले से मृत महिला को दी गई तात्कालिक सहायता राशि

-संवाददाता-
कोरबा,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

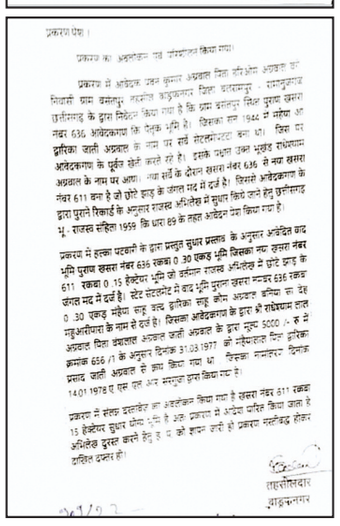

कोरबा वनमंडल के कुदमुरा परिक्षेत्र के गिरारी ग्राम के समीप आज 58 वर्षीय महिला यादो बाई कँवर पति बिरीक्ष राम कँवर की हाथी द्वारा हमले से मृत्यु हो गयी है। रात्रि 2:30 बजे लोनर धरमजयगढ़ वनमंडल से मांड नदी को पार कर कुदमुरा में प्रवेश किया जिससे घटना घटित हुई। यह घटना आज सुबह 7:30 बजे घटित हुई जब यादो बाई और बिरीक्ष राम पति पत्नी धान बीज खरीदी के लिए अपने गांव बासीन से गिरारी पैदल जा रहे थे। रास्ते मे पति ने लोनर हाथी को देखकर पुलिया के नीचे आकर छुपा और अपनी पत्नी को पुलिया की तरफ आने के लिए कहा पर यादो बाई घबराहट में जंगल की ओर भागने लगी परंतु अपनी जान नही बचा पाई। घटना स्थल पर वन अमला, पुलिस दल और एम्बुलेंस मौजूद रहे पुलिस दल द्वारा शव परीक्षण किया जिसके उपरांत एम्बुलेंस में मृतक का पोस्टमार्टम हेतु करतला लाया गया, पोस्टमार्टम पश्चात शव को अंतिम संस्कार के लिए उनके परिवार को सौंपा गया। शासन के प्रावधान अंतर्गत मृतक के परिवार को सहायता राशि के रूप में 600000/- से दिया जाएगा। जिसके अंतर्गत कुदमुरा रेंजर द्वारा तात्कालिक सहायता राशि 25000 रुपए मृतक महिला के पति बिरीक्ष राम और परिवार को प्रदान किया गया। लोनर हाथी घटना उपरांत धरमजयगढ़ वनमंडल की ओर मांड नदी के निकट चला गया है । आस पास सभी ग्रामीणों को सूचित किया गया । वर्तमान में कोरबा वनमंडल में हाथियों का एक दल जिसमे 07 हाथी है जो लबेद गांव में विचरण कर रहा है ।

नही रहे एसईसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी जयंत कुमार खमारी

-संवाददाता-
कोरबा,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

कॉल इंडिया के सब्सिडियरी एसईसीएल मुख्यालय में पदस्थ मुख्य सतर्कता अधिकारी जयंत कुमार खमरी अपने किसी शासकीय कार्य से 03 जून को महानदी कोलफील्स लिमिटेड के मुख्यालय संबलपुर गए हुए थे।दिनांक 05 जून को संबलपुर से वापसी के दौरान रायगढ़ के पास उनकी शासकीय वाहन इनोवा ट्रेलर के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी जिसमे वो बुरी तरह से घायल हो गए।उनके साथ वाहन में चालक और बॉडीगार्ड मौजूद थे।घटना के बाद से श्री खमारी को जिंदल हॉस्पिटल,रायगढ़ में उपचार चल रहा था।उनकी गंभीर स्तिथि को देखते हुए गहन चिकित्सा के लिए उन्हें दिल्ली के मेदांता हॉस्पिटल में स्थानांतरित किया गया था।मंगलवार की सुबह मेदांता हॉस्पिटल,दिल्ली में उन्होंने अंतिम सास ली।एसईसीएल परिवार ईश्वर से मृतात्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना करती है।

मुख्यमंत्री किसान वृक्ष मित्र योजना

कटघोरा वन मंडल द्वारा एक हजार एकड़ में छह लाख पौधे लगाने का रखा लक्ष्य

-संवाददाता-
कोरबा,11 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिलान्तर्गत कटघोरा वनमंडल में मुख्यमंत्री किसान वृक्ष मित्र योजना के तहत एक हजार एकड़ में छह लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया हैं जिसके लिये तैयारी की जा रही हैं। इसमें चंदन, सागौन, बांस और नीलगिरी प्रजाति के पौधे शामिल हैं। चंदन के पौधों को कर्नाटक और मनेन्द्रगढ़ से मंगाया गया है। किसान अपनी निजी जमीन पर यह पौधे लगाएंगे। मुख्यमंत्री किसान वृक्ष मित्र योजना के तहत 6 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य हैं। नर्सरी में भी पौधे तैयार किए जा रहे हैं। यहां साल, नीलगिरी के पौधे अधिक हैं। बांस के पौधों का रोपण पहले से ही किया जा रहा है। चंदन के पौधे यहां नहीं मिलते हैं। इससे बाहर से मंगवाया जा रहा हैं।बारिश शुरू होते ही किसानों को यह पौधे दिए जाएंगे। सागौन के पौधे भी बड़ी संख्या में तैयार किए गए हैं। किसान ही पौधे की देखरेख करेंगे। योजना के अनुसार निजी भूमि पर पौधा लगाने के लिए 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाती है। तीन साल तक प्रति एकड़ 10 हजार रुपए बोनस दिया जाएगा। इससे किसानों के आय में वृद्धि होगी। इसके लिए के सभी रेंज में जमीन चिन्हित की गई है।

कटघोरा डीएफओ कुमार निशांत ने बताया कि योजना के तहत छह लाख पौधे लगाए जाएंगे। इधर, कोरबा वनमंडल में इस साल एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। इसके अलावा मुफ्त में पौधे बांट उसकी सुरक्षा के लिए प्रेरित किया जाएगा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) /अंबिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सीमा झा पत्नी उमेश झा जाति ब्राम्हण निवासी बुढ़ा बगीचा तहसील राजपुर जिला- बलरामपुर ,(छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सोनपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, (छ0ग0) खसरा नंबर 335/20, रकबा 0.019 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1 खसरा,नक्शा,सेटलमेंन्ट, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाईं तिथि 19/06/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय नजुल अधिकारी सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0

रा.प्र.क्र. / अ-6

ईश्तहार

अगामी तिथि 25/6/2024

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम-जनता /संस्था /विभाग एतद् द्वारा को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रजन्ती बाई पति रामलाल साहु उम्र लगभग 76 वर्ष जाति तेली निवासी-नगर साहु गली सूरजपुर जिला-सुरजपुर, (छ0ग0) के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया हैं कि आवेदिका ,अनावेदकगण से नगर सूरजपुर स्थित नजुल भूमि प्लाट नं0 2065, रकबा 3920 वर्गफिट को पंजीकृत विक्रयपत्र दिनांक 27/05/2024 के 4,11.000/- में क्रय किया हैं तथा क्रय दिनांक से काबिज काश्त हैं। वादभूमि का नामांतरण आवेदिका के नाम पर किये जाने का अनुरोध किया गया हैं। जिसके संबंध में प्रकरण विचाधीन लंबित हैं।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति /संस्था /विभाग को कोई दावा /आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक -25/6/2024 को न्यायलयीन अवधि में उपस्थित होकर अपना दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 7/6/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजुल अधिकारी सूरजपुर

न्यायालय नजुल अधिकारी सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0

रा.प्र.क्र. / अ-6

ईश्तहार

अगामी तिथि 25/6/2024

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम-जनता /संस्था /विभाग एतद् द्वारा को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशोक कुमार साहु आ0 श्याम सुन्दर साहु उम्र लगभग 38 वर्ष व 1अन्य निवासी-नगर साहु गली सूरजपुर जिला-सुरजपुर, (छ0ग0) के द्वारा अपने आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया हैं कि नगर सूरजपुर स्थित नजुल भूमि खसरा नं0 2068/1में से , रकबा 1000 वर्गफिट एवं खसरा नं0 2069/1 में से 1050 वर्गफिट भूमि को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 08/05/2024 के माध्यम से क्रय कर काबिज दाखिल हैं। रजिस्ट्री के आधार पर आवेदकगण के नाम पर नांमातरण किये जाने का अनुरोध किया गया हैं।जिसके संबंध में प्रकरण विचाधीन लंबित हैं।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति /संस्था /विभाग को कोई दावा /आपत्ति हो तो वे अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक -25/6/2024 को न्यायलयीन अवधि में उपस्थित होकर अपना दावाा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 7/6/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजुल अधिकारी सूरजपुर

CMYK

AMBIKAPUR 12 JUNE 2024_Layout 2 6/11/2024 11:22 AM Page 7

संक्षिप्त खेल समाचार

मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स से जुड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बनेंगे संग्राम सिंह

मुंबई,11 जून 2024। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैंपियन संग्राम सिंह मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) से जुड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बनने के लिए तैयार हैं। संग्राम महिला पहलवान पूजा तोमर के बाद एमएमए फाइटर के रूप में प्रतिस्पर्धा करने वाले दूसरे भारतीय पहलवान बनेंगे। मंगलवार

को यहां जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। विज्ञप्ति के अनुसार संग्राम ने कहा,''कुश्ती ने मुझे बहुत कुछ दिया है जिसमें मेरे देश के लोगों का प्यार भी शामिल है और मुझे पूरा विश्वास है कि आगे भी मुझे उनका समर्थन मिलता रहेगा।'' उन्होंने कहा,''एमएमए खेल का भविष्य है और पिछले कुछ वर्षों में इसकी बढ़ती लोकप्रियता पूरी कहानी बयां करती है। भारत में इसको देखने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक है और मुझे उम्मीद है कि इस खेल के प्रशंसक मेरा समर्थन करेंगे।

चेन्नईयन एफसी ने कोलंबिया के स्टार विलमर जॉर्डन गिल से अनुबंध किया

चेन्नई,11 जून 2024। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम चेन्नईयन एफसी ने आगामी सत्र से पहले कोलंबिया के स्टार स्ट्राइकर विलमर जॉर्डन गिल के साथ अनुबंध किया है। क्लब ने

मंगलवार को यह घोषणा की। कोलंबिया का यह फुटबॉलर अनुभवी है और इससे पहले दो सत्र में आईएसएल में खेल चुका है। विलमर ने 2022 में नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड एफसी की तरफ से आईएसएल में पदार्पण किया था। इसके अगले सत्र में उन्होंने पंजाब एफसी की तरफ से प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। वह अभी तक आईएसएल ने 15 मैच में 8 गोल कर चुके हैं। चेन्नईयन ने विलमर के साथ एक साल का अनुबंध किया है। वह एल्सिन्हो डायस और चीमा चुक्कू के बाद इस क्लब से जुड़ने वाले तीसरे विदेशी खिलाड़ी हैं।

इंडिया यूएसए के बीच मैच आज

» अमेरिका के खिलाफ शिवम दुबे का कटेगा पत्ता!

» संजू या यशस्वी में से किसे मिलेगा मौका,भारत की संभावित प्लेइंग 11

न्यूयॉर्क,11 जून 2024। पहले आयरलैंड और फिर पाकिस्तान के खिलाफ बेहतरीन जीत के बाद अब भारत को बुधवार यानी 12 जून को मेजबान यूएसए से भिड़ना है। दोनों टीमों की ये भिड़ंत न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से होगी। जहां पहले भारत ने आयरलैंड को 8 विकेट से हराया वहीं पाकिस्तान के खिलाफ 6 रनों से रोमांचक जीत दर्ज की। हालांकि, टी20 के इतिहास में ये पहला मौका होगा जब दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। इस मुकाबले में दोनों टीमों की कोशिश होगी कि वो जीत हासिल करें और सुपर 8 में जाने के लिए अपनी दावेदारी और मजबूत कर लें। इस वक्त दोनों टीमें अपने पहले दो मैच जीतकर 4-4 अंक हासिल कर चुकी हैं और भारत नंबर 1 पर नेटरनरेट के आधार पर है जबकि अमेरिका दूसरे नंबर पर काबिज है।

वहीं अगर बारिश के कारण ये मुकाबला रद्द होता है तो दोनों टीमों को एक-एक अंक मिलेगा और इस स्थिति में पाकिस्तान की टीम सुपर 8 की रेस से बाहर हो जाएगी, लेकिन अगर ये मैच होता है तो टीम इंडिया एक मजबूत प्लेइंग इलेवन के साथ मैदान पर उतर सकती है।

शिवम दुबे होंगे बाहर!

पिछले दो मैच जीत चुकी टीम इंडिया अमेरिका के खिलाफ अपनी प्लेइंग इलेवन में बदलाव करेगी या तो भविष्य बताएगा। लेकिन बदलाव की संभावना कम ही लगती है, वहीं अगर भारत किसी तरह का बदलाव करता भी है तो संभवना है कि शिवम दुबे को बाहर किया जा सकता है। बता दें कि, पिछले मुकाबले में यानी पाकिस्तान के खिलाफ दुबे अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाए थे। उनकी फॉर्म लगातार सवालों के घेरे में है। वहीं अगर दुबे टीम से बाहर होते हैं तो फिर उनकी जगह संजू सैमसन या फिर यशस्वी जायसवाल में से किसी एक को मौका मिल सकता है।

यशस्वी जायसवाल को मिल सकता है मौका

अमेरिका के खिलाफ दुबे अगर बाहर होते हैं तो उनकी जगह यशस्वी जायसवाल को टीम में मौका मिलने की संभावना ज्यादा है। वहीं जायसवाल अगर टीम में आते हैं तो वो रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करेंगे और विराट कोहली तीसरे नंबर पर खेल सकते हैं। बता दें कि, पिछले दो मैचों में रोहित शर्मा के साथ बतौर ओपनर विराट कोहली फेल हुए हैं। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ महज 1 रन जबकि पाकिस्तान के खिलाफ 4 रन ही बनाए और अपना विकेट गंवा बैठे।

प्लेइंग इलेवन में संजू सैमसन को शामिल किए जाने की संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही है। यशस्वी की एंट्री होती है तो भारत को लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन मिल जाएगा और ये विरोधी टीम के लिए परेशान करने वाला हो सकता है।

हालांकि, भारतीय तेज गेदंबाज जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज अच्छा कर रहे हैं और हार्दिक पंड्या की गेदंबाजी भी दिल जीतने वाली है। ऐसे में टीम में गेंदबाजी विभाग में बदलाव के कम ही आसार लग रहे हैं। अक्षर पटेल ने खुद को साबित किया है, लेकिन रविंद्र जडेजा ज्यादा प्रभाव नहीं डाल पा रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ वो गोल्डन डक हो गए थे लेकिन उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर भी नहीं किया जा सकता है। जिस कारण कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल का इंतजार और बढ़ सकता है।

भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रविंद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज।

भारत 2025 में जूनियर हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा

लुसाने,11 जून 2024। भारत अगले साल पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के कार्यकारी बोर्ड ने मंगलवार को यह घोषणा की। यह प्रतियोगिता दिसंबर में खेली जाएगी। प्रतियोगिता में यह पहला अवसर होगा जबकि इसमें 24 टीम हिस्सा लेंगी। एफआईएच के अध्यक्ष तैयब इकराम ने इसकी घोषणा करते हुए कहा,''मुझे बहुत खुशी है कि एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप में भाग लेने वाली टीमों की संख्या बढ़ गई है और मैं अगले साल इन 24 युवा टीमों को खेलते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं। यह 24 टीमें हमारे खेल के भविष्य का प्रतिनिधित्व करेंगी।''

पिछला जूनियर विश्व कप 2023 में कुआलालंपुर में खेला गया था जिसमें जर्मनी ने फाइनल में फ्रांस को 2-1 से हराकर खिताब जीता था। स्पेन तीसरे और भारत चौथे स्थान पर रहा था। भारत इससे पहले तीन बार 2013 (

नई दिल्ली दिल्ली), 2016 (लखनऊ) और 2021 (भुवनेश्वर) में टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुका है। भारत 2016 में चैंपियन भी बना था। इकराम ने कहा,''मैं एक और शानदार प्रतियोगिता को आयोजित करने की प्रतिबद्धता के लिए हॉकी इंडिया का आभार व्यक्त करता हूं।'' हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा,''इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के मेजबानी मिलने से भारत के अंतरराष्ट्रीय हॉकी में बढ़ते महत्व तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिए खेल का विकास करने के हमारे समर्पण का पता चलता है।'' हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने इसे भारतीय हॉकी के लिए महत्वपूर्ण कदम करार दिया। उन्होंने कहा,''हम पर भरोसा बनाए रखने के लिए हम एफआईएच का आभार व्यक्त करते हैं। हॉकी को नहीं ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए यह प्रतियोगिता महत्वपूर्ण होगी। इससे नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। हम इसे यादगार टूर्नामेंट बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ओलंपिक के लिए राइफल और पिस्टल टीम घोषित,दो स्पर्धाओं में भाग लेगी मनु भाकर

नई दिल्ली,11 जून 2024।भारतीय निशानेबाजी महासंघ ने पेरिस ओलंपिक के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय राइफल और पिस्टल टीम की घोषणा की जिसमें स्टार पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर अकेली ऐसी खिलाड़ी है जो दो स्पर्धाओं में भाग लेगी। टीम का चयन वर्चुअल बैठक में किया गया। टीम में आठ राइफल और सात पिस्टल निशानेबाज शामिल हैं। शॉटगन टीम की घोषणा इटली के लोनाटो में होने वाले विश्व कप के बाद की जाएगी, जिसमें प्रतियोगिताएं बुधवार से शुरू होकर 18 जून तक चलेंगी। पेरिस ओलंपिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित किए जाएंगे। भारतीय निशानेबाजों ने इस बार संभावित 24 में से 21 कोटा स्थान हासिल किए हैं। राइफल और पिस्टल में उसने सभी आठ आठ कोटा स्थान हासिल किए हैं।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारत की राइफल और पिस्टल निशानेबाजी टीम इस प्रकार हैं

राइफलः संदीप सिंह, अर्जुन बबूता (10 मीटर एयर राइफल पुरुष), एलावेनिल वलारिवन, रमिता (10 मीटर एयर राइफल महिला), सिफ्ट कौर समरा, अंजुम मौदगिल (50 मीटर राइफल 3 पोजिशन महिला), ऐश्वर्य तोमर, स्वप्निल कुसाले (50 मीटर राइफल 3 पोजिशन पुरुष)

पिस्टलः सरबजोत सिंह, अर्जुन चीमा (10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष), मनु भाकर, रिदम सांगवान (10 मीटर एयर पिस्टल महिला), अनीश भानवाल विजयवीर सिद्धू (25 मीटर आरएफपी पुरुष), मनु भाकर, ईशा सिंह (25 मीटर पिस्टल महिला)।

मिर्जापुर सीजन 3 की रिलीज डेट घोषित

पंकज त्रिपाठी और अली फजल का शो 5 जुलाई को होगा रिलीज

प्रशंसकों के लिए मंगलवार दोपहर एक रोमांचक घोषणा हुई, क्योंकि प्राइम वीडियो ने मिर्जापुर सीजन 3 का टीजर जारी कर दिया। जो लोग इस प्रशंसित शो की रिलीज डेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, उनके लिए आखिरकार जवाब आ ही गया। मिर्जापुर सीजन 3 अब 5 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगा।

मिर्जापुर सीजन 3 का टीजर

यह टीजर आगामी सीजन के कई पलों का एक कोलाज है, और अगर ऐसा है तो प्रशंसक इस फ्रैंचाइजी के परिचित, खून से लथपथ क्षेत्र में वापसी की उम्मीद कर सकते हैं। एक वॉयसओवर जंगल की लड़ाई में कई जानवरों के रूपक का उपयोग करके, आगे क्या होने वाला है, इसकी नींव रखता है। इसमें सिर्फ शेर ही नहीं बल्कि जंगली बिल्लियाँ, चीते, लोमड़ी, लकड़बग्घे और मगरमच्छ भी शामिल हैं। यह सब मायने रखता है क्योंकि आखिरकार, यह जंगल के अस्तित्व का सवाल है।

अधिक जानकारी

टीजर में शो के विभिन्न किरदारों की झलक दिखाई गई है, जिन्हें पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुगल और शीबा चड्ढा ने निभाया है।

टीजर पर प्रतिक्रिया देते हुए एक प्रशंसक ने लिखा खेल खत्म! या यह अभी शुरू हुआ है!!!दूसरे प्रशंसक ने टिप्पणी की, मुन्ना भैया कहाँ हैं? उम्मीद है कि वह वापस आएंगे। एक टिप्पणी में लिखा था, इंतजार नहीं कर सकता! आखिरकार एक रिलीज की तारीख! अब हम बात कर रहे हैं। जो प्रशंसक सोच रहे हैं, उनके लिए बता दें कि दिव्येंदु ने इस साल की शुरुआत में ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे एपिसोड में मुन्ना भैया की वापसी के बारे में प्रशंसकों की थ्योरी पर प्रतिक्रिया दी थी। दिव्येंदु ने जवाब दिया, मैं सीजन 3 का हिस्सा नहीं हूँ दोस्तों। मुझे पता है कि यह दिल तोड़ने वाला है... मुझे उन षड्यंत्र के सिद्धांतों से प्यार है, वे वैध थे। लेकिन ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे पर मैं घोषणा करूँगा कि मैं मिर्जापुर सीजन 3 का हिस्सा नहीं हूँ।

दूसरे धर्म के लड़के की कौन सी खूबी देखकर प्यार में डूबी सोनाक्षी सिन्हा?

एक्ट्रेस के होने वाले पति ज़हीर इकबाल के बारे में यहां

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा 23 जून को मुंबई में अपने लंबे समय के प्रेमी ज़हीर इकबाल से शादी करेंगी। उनकी शादी से पहले, सोनाक्षी के साथी ज़हीर इकबाल के बारे में फिर से दिलचस्पी बढ़ गई है। जहाँ सोनाक्षी सिन्हा अभिनेता-राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा की बेटी हैं, वहीं ज़हीर इकबाल एक गैर-फिल्मी पृष्ठभूमि से आते हैं, और सलमान खान के साथ उनके घनिष्ठ संबंध हैं। उनके पिता एक जौहरी हैं, और उनकी माँ एक गृहिणी हैं। जो लोग नहीं जानते, उनके लिए ज़हीर की बहन सनम रतनसी बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय सेलिब्रिटी स्टाइलिस्टों में से एक हैं। ज़हीर का जन्म 10 दिसंबर, 1988 को हुआ था। उन्होंने मुंबई के स्कॉटिश स्कूल में पढ़ाई की। कथित तौर पर, उन्होंने सलमान की बहन अर्पिता खान शर्मा के साथ अपनी शिक्षा के बारे में

बताया।ज़हीर को सलमान खान ने 2019 में हिंदी फ़िल्म इंडस्ट्री में लॉन्च किया था। उन्होंने मोहनीश बहल की बेटी प्रनूतन बहल के साथ फ़िल्मि नोटबुक से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद, उन्होंने सतराम रमानी के निर्देशन में बनी फ़िल्म डबल एक्सएल में सोनाक्षी के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर किया। 2022 में रिलीज़ होने वाली इस फ़िल्म में हुमा कुरैशी और महात राघवेंद्र भी मुख्य भूमिकाओं में थे।

इसके अलावा, सोनाक्षी और ज़हीर ने उसी साल ब्लॉकबस्टर नामक एक म्यूज़िक वीडियो में भी काम किया। ज़हीर के बारे में पिछले कुछ समय से सोनाक्षी को डेट करने की अफ़वाहें चल रही हैं, हालाँकि दोनों में से किसी ने भी सार्वजनिक रूप से इस रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। दोनों को अक्सर विभिन्न कार्यक्रमों और सामाजिक समारोहों में एक साथ देखा जाता है, जिससे उनके रिश्ते के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं।

एक एक्सक्लूसिव रिपोर्ट के अनुसार, सोनाक्षी सिन्हा और ज़हीर इकबाल की शादी का निमंत्रण एक मैगज़ीन कवर की तरह डिज़ाइन किया गया है और टेक्स्ट में लिखा है - अफ़वाहें सच हैं। मेहमानों को औपचारिक रूप से आने के लिए कहा गया है और शादी का जश्न मुंबई के बैस्टियन में होगा। सूत्रों के अनुसार, उनके करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों के अलावा, संजय लीला भंसाली की फिल्म हीरामंडी की पूरी कास्ट को शादी में आमंत्रित किया गया है।

जब ईशा देओल ने अमृता राव को खींच कर मार दिया था थप्पड़, सोहेल खान और सिकंदर खेर के बीच भी चले थे लात-घूंसे

ईशा देओल ने अमृता राव को थप्पड़ मारा, सोहेल खान और सिकंदर खेर ने एक दूसरे को मुक्का मारा- सोहेल खान और सिकंदर खेर के बीच एक बार बहुत बड़ी लड़ाई हुई थी और अश्मित पटेल ने उनके बीच की स्थिति को सुधारने की कोशिश की थी, बॉलीवुड में हुए सबसे घिनौने झगड़े पर एक नज़र डालें।

सोहेल खान और सिकंदर खेर

हाल ही में अश्मित पटेल ने चौंकाने वाला दावा किया कि सोहेल खान और सिकंदर खेर के बीच लड़ाई हुई थी जिसमें उन्होंने एक दूसरे को मुक्का मारा था। सोहेल खान और सिकंदर खेर के बीच लड़ाई हुई थी और मैं उस लड़ाई में शामिल भी नहीं था। मैं उन्हें छुड़ाने की कोशिश कर रहा था।

सलमान खान और शाहरुख खान

शाहरुख खान और सलमान खान आज भाई जैसे हैं लेकिन एक समय खान युद्ध ने सुर्खियाँ बटोरी थीं। खानों ने अपनी कुख्यात लड़ाई में एक दूसरे के साथ हाथापाई भी की थी।

ईशा देओल और अमृता राव

ईशा देओल ने कथित तौर पर अपनी फिल्म प्यारे मोहन के सेट पर अमृता अरोड़ा को उनके परिवार के बारे में एक भद्दी टिप्पणी करने के लिए थप्पड़ मारा था। आज तक, ईशा और अमृता के बीच बातचीत नहीं हुई है।

विवेक ओबेरॉय और सलमान खान

विवेक ओबेरॉय ने 2000 के दशक की शुरुआत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जहाँ उन्होंने ऐश्वर्या राय के साथ रिश्ते में होने के कारण सलमान खान से अपमानजनक और धमकी भरे कॉल आने का दावा किया। हाल ही में विवेक के पिता सुरेश ओबेरॉय ने सलमान खान के खिलाफ़ मज़बूत बने रहने के लिए उनकी सराहना की।

कंगना रनौत और दिलजीत दोसांझ

कंगना रनौत और दिलजीत दोसांझ ने किसानों के विरोध प्रदर्शन को लेकर अपनी लड़ाई को लेकर सबका ध्यान खींचा। हाल ही में नए सांसद को इसी कारण ष्टढ्ढस्त्र अधिकारी ने थप्पड़ मारा था।

फ़राह खान और शाहरुख़ खान

फ़राह खान और शाहरुख़ ने एक-दूसरे से बात करना बंद कर दिया था, जब कथित तौर पर जवान अभिनेता ने एक पार्टी में अपने पति शिरीष कुंदर को थप्पड़ मारा था।

करण जौहर और अजय देवगन

शिवाय और ऐ दिल है मुश्किल के साथ टकराव के दौरान, करण जौहर और अजय देवगन के बीच बहुत बड़ा झगड़ा हुआ। केआरके ने दावा किया था कि अजय की फिल्म की आलोचना करने के लिए केजेओ ने उन्हें 25 लाख रुपये दिए थे।

अंतिम संस्कार करने भी नहीं आया नूर मालाबिका दासका परिवार

एक्ट्रेस की मौत पर उठ रहे हैं सवाल! दबाव के बाद अब तोड़ी मौसी ने चुप्पी

अभिनेत्री नूर मालाबिका दास, जो 2023 की वेब सीरीज़, द ट्रायल में काजोल के साथ नज़र आई थीं, अपने मुंबई के फ़्लैट में मृत पाई गईं। पुलिस ने सोमवार उनकी मौत की पुष्टि की है। पुलिस को संदेह है कि उन्होंने आत्महत्या की है। लेकिन परिवार की चुप्पी और सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का एक्टिव रहना सस्पेंस बढ़ाता है। अब, टाइम्स ऑफ़ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, उनके परिवार ने कहा है कि दिवंगत अभिनेत्री डिप्रेशन से पीडित थीं।

वह बड़ी उम्मीदों के साथ मुंबई गई थीं

नूर मालाबिका दास असम के करीमगंज की रहने वाली थीं। उनकी मौसी आरती दास ने करीमगंज में अपने पारिवारिक घर से मीडिया से बात की, और दिवंगत अभिनेत्री के बारे में कहा, वह अभिनेत्री बनने की बड़ी उम्मीदों के साथ मुंबई गई थीं। हालाँकि, वह इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही थीं। हम समझते हैं कि मालाबिका अपनी उपलब्धियों से असंतुष्ट थीं, जिसने उन्हें यह चरम कदम उठाने के लिए मजबूर किया।

नूर के बारे में और जानकारी

नूर मालाबिका दास ने हिंदी फ़िल्मों और वेब सीरीज़ में काम किया। शोबिज में आने से पहले, उन्होंने कतर एयरवेज में एयर होस्टेस के रूप में काम किया। उन्होंने सिसकियाँ, वॉकमैन, तीखी चटनी, जघन्य उपाय, चरमसुख, देखी अनदेखी, बैकरोड हसल जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्हें आखिरी बार काजोल और जीशु सेनगुप्ता की फिल्म द ट्रायल में देखा गया था।

अभिनेता दर्शन, पत्नी पवित्रा गौड़ा रेणुका स्वामी हत्या मामले में गिरफ्तार

राउडी ऑफ सैंडलवुड के नाम से मशहूर कन्नड़ अभिनेता दर्शन को मंगलवार (11 जून) को एक हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दर्शन को रेणुका स्वामी की हत्या के सिलसिले में मैसूर में हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कथित तौर पर अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा को अनुचित संदेश भेजे थे। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हत्या के मामले में दर्शन को मैसूर के एक फार्महाउस से गिरफ्तार किया गया। उनकी पत्नी पवित्रा गौड़ा को भी मैसूर में पुलिस अधिकारियों ने गिरफ्तार किया। कर्नाटक के चित्रदुर्ग की रहने वाली रेणुका स्वामी ने कथित तौर पर अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे। पवित्रा गौड़ा दर्शन की करीबी हैं और उनका अफेयर भी चल रहा है। उन्होंने कथित तौर पर अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर अनुचित और अभद्र टिप्पणियां पोस्ट की थीं

AMBIKAPUR 12 JUNE 2024_Layout 2 6/11/2024 11:22 AM Page 8

बलौदाबाजार कांड के उपद्रवी बख्शे नहीं जाएंगे

» जारी हुई नामों की सूची, इन्हीं से नुकसान की भरपाई करा सकती है प्रशासन

रायपुर,11 जून 2024(ए)। सोमवार को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित संयुक्त जिला कार्यालय में की गई तोड़फोड़ एवं आगजनी करने वाले उपद्रवी की प्रशासन ने पहचान कर ली है। इसके साथ ही प्रशासन ने उपद्रव के लिए जिम्मेदार संगठनों के पदाधिकारियों के नामों की सूची भी जारी कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि, सोमवार को वहां सतनामी समाज के प्रदर्शन के दौरान आगजनी और तोड़फोड़ में करोड़ों का नुकसान हुआ है। प्रशासन की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि, नुकसान का आकलन किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि, नुकसान की वसूली भी इन्हीं उपद्रवियों से की जा सकती है।

पुलिस बल के साथ मजिस्ट्रेट भी थे सुरक्षा प्रबंध के लिए थे मौजूद

प्रशासन की तरफ से आए बयान में कहा गया है कि, 10 जून को छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के द्वारा अमर गुफा गिरौधपुरी जैतखाम मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग एवं साथ में पूर्व में बोडसरा, कबीरधाम एवं अन्य जिलों में सतनामी समाज संबंधी विभिन्न मुद्दो को लेकर दशहरा मैदान बलौदाबाजार में धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया था। इसमें सुरक्षा प्रबंध के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल लगाने के साथ मजिस्ट्रियल ड्यूटी भी आदेशित किया गया था।

ये थे प्रदर्शन के आयोजक

आयोजनकर्ता किशोर नवरंगे भीम कांतीवीर अध्यक्ष, दीपक घृतलहरे प्रगतिशील सतनामी समाज, मोहन बंजारे प्रगतिशील सतनामी समाज युवा प्रदेश अध्यक्ष, सुशील बंजारे प्रगतिशील सतनामी समाज युवा प्रकोष्ट, जितेन्द्र नौरंगे सतनाम सेवा समिती जिला अध्यक्ष, ओमप्रकाश खुंटे सतनामी समाज वरिष्ठ, भुनेश्वर डहरिया, दिनेश चतुर्वेदी भीम रेजिमेंट प्रदेश अध्यक्ष आदि के नेतृत्व में शक्ति प्रदर्शन के रूप में आस पास पैदल रैली कर संयुक्त जिला कार्यालय का घेराव किये जाने योजना थी, जिसमें शासन द्वारा उच्चस्तरीय न्यायिक जांच का आश्वासन दिये जाने के पश्चात भी उनके द्वारा धरना प्रदर्शन स्थगित नहीं किया गया।

ज्ञापन देने की समझाइश अनसुना कर आगे निकल गये प्रदर्शनकारी

छत्तीसगढ़ स्तरीय सतनामी समाज के लोग विभिन्न जिलों से आकर दशहरा मैदान बलौदाबाजार में करीबन 07-08 हजार की संख्या में इकट्ठा हुए। इसके बाद प्रदर्शन में सम्मिलित प्रमुख व्यक्तियों से गार्डन चौक में ज्ञापन देने की समझाइश दी गई, लेकिन इनके द्वारा उक्त समझाइश को अस्वीकार कर दिया गया। प्रदर्शन में आई भीड़ ने 02.45 बजे रैली के रूप में नारेबाजी करते हुए आगे निकल गये, जिससे पहला बैरिकेट गार्डन चौक पास लगाया गया था। जहां पर बैरिकेटिंग को तोड़ फोड़ कर आगे निकल गये। इसके बाद संपूर्ण रैली नेतृत्वविहीन होकर, सुनियोजित तरीके से नारेबाजी करते हुए चक्रपाणी स्कूल के पास जहां पर बड़ी बैरिकेटिंग लगाया गया था वहां पहुंचकर ड्यूटी में लगे पुलिस अधिकारी कर्मचारियों से काफी धक्का मुक्की, लाठी डण्डे से मारकर गंभीर चोट पहुंचाया गया व बैरिकेट को तोड़कर पथराव करते हुये आगे बढ गया।

शहर के सी.सी.टी.वी कैमरे तोड़े गए

सिटी सर्विलांस में लगे शहर के रोड में सी.सी.टी.वी कैमरे को तोड़ दिया गया है। तोडफोड करने में भीम आर्मी, भीम रेजिमेंट एवं भीम कांतीवीर सेना के कार्यकर्ता, पदाधिकारियों के द्वारा उत्पात मचाया गया है। इन लोगो द्वारा किये गये उत्पात में जिला बलौदाबाजार-भाटापारा एवं अन्य जिलों से आये हुए 25 से अधिक पुलिस अधिकारी कर्मचारी एवं प्रशासनिक अधिकारी काफी गंभीर रूप से घायल है, जिनका ईलाज जारी है। उपद्रवियों द्वारा किये गये तोडफोड, आगजनी आदि का आंकलन लगाया जा रहा है।

3 डीएसपी, 7 टीआई 8एएसआई समेत 6 हेड कॉन्स्टेबल की स्पेशल टीम करेगी बलौदा बाजार हिंसा मामले की जांच

»40 से 50 नामजद उपद्रवियों के खिलाफ कई धाराओं में अपराध दर्ज

बलौदा बाजार जिले में सोमवार को हुई हिंसा भड़क गई। सतनामी समाज के स्तंभ को नुकसान पहुंचाने के विरोध में लोगों ने कलेक्टर और एसपी ऑफिस में आग लगा दी। जिसके बाद पूरे जिले में धारा 144 लगा दी गई है। वहीं अब हिंसा की निष्पक्ष जांच के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस ने स्पेशल टीम गठित की है। इस टीम में 3 डीएसपी, 7 टीआई 8एएसआई समेत 6 हेड कॉन्स्टेबल को शामिल किया गया है।धरना प्रदर्शन में आए लोगों ने कलेक्टर और एसपी कार्यालय समेत वहां खड़ी 100 मोटरसाइकिल और 30 से अधिक चार पहिया वाहन में तोड़-फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया था। इस बीच सुरक्षा व्यवस्था में लगे 25 से अधिक पुलिस अधिकारी कर्मचारी एवं प्रशासनिक अधिकारियों को भी चोटें आई है। पुलिस ने धरना प्रदर्शन का आयोजन करने वाले और तोड़फोड़-पत्थर बाजी करते हुए, वाहन और संयुक्त कार्यालय में आगजनी करने वाले 40 से 50 नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में 7 एफआईआर दर्ज की है।

अब तक 200 उपद्रवियों को किया गया गिरफ्तारःएसपी सदानंद कुमार

कलेक्टर और एसपी कार्यालय में आगजनी और तोड़फोड़ के दौरान उपद्रवियों ने कई सीसीटीवी कैमरों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया था।. हालांकि, इस दौरान पुलिस ड्रोन से लगातार निगरानी कर रही थी. पुलिस ने वीडियो फुटेज और अन्य माध्यमों से जानकारी एकत्र कर घटना में शामिल आरोपियों की धड़पकड़ शुरू कर दी है.। अब तक करीब 200 लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पुछताछ के बाद जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एसपी सदानंद कुमार ने मीडिया को बताया कि पुलिस की टीम आरोपियों की धड़पकड़ प्रारंभ कर दिया है। सात एफआईआर दर्ज हुआ है जिसमें 73 लोगों को अभी गिरफ्तार किया गया है और भी टीम अभी आरोपियों की धड़पकड़ मे लगी है।

नगरीय निकाय चुनाव 2024 से पहले नए सिरे से होगा वार्डों का परिसीमन

रायपुर,11 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के बाद जैसे ही आचार संहिता का समापन हुआ अब नगरीय निकायों के आम चुनाव की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। वही आगामी नवंबर-दिसंबर में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव भी प्रस्तावित है इसके पहले सभी नगरीय निकायों में वार्डों का परिसीमन भी किया जाएगा। शासन ने इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया है।

इस आदेश के साथ नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा परिसीमन की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की तैयारी में लग गए है। बता दें परिसीमन के बाद आरक्षण होगा और फिर निकायवार मतदाता सूची बनेगी।

छत्तीसगढ़ में कुल 184 नगरीय निकाय है जिसमें 14 नगरपालिक

निगम एवं 48 नगरपालिका परिषद और 122 नगर पंचायत है वही बहुत जल्द चुनाव की तैयारी को लेकर कार्य प्रारंभ होने की संभावना है। माना जा रहा है कि परिसीमन के बाद वार्डों की संख्या में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी हो सकती है। अगर रायपुर नगर निगम की बात करें तो रायपुर नगर निगम का दायर 178.25 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। वहीं जनसंख्या के आधार पर यहां कुल वार्डों की संख्या 70 है।

अधिकारियों की मानें तो जनसंख्या के आधार पर वार्डों का परिसीमन किया जाना है। इसमें निकाय की आबादी को हर वार्ड में बराबर-बराबर बांटना होता है। मतलब यदि किसी निकाय की आबादी दो लाख है और वहां वार्डों की संख्या 50 है, तो हर वार्ड की आबादी लगभग चार-चार हजार होना चाहिए। यदि जनसंख्या बढ़ जाती है और वार्डों की आबादी चार हजार से अधिक आती है, तो नए वार्ड का गठन किया जा सकता है। वहीं आबादी के हिसाब से वार्डों का दायरा कम और बढ़ाया जा सकता है।

वित्त मंत्रालय से मिली राशि का उपयोग प्रदेशवासियों के हित और यहां के विकास कार्यों के लिए किया जाएगा

रायपुर,11 जून 2024(ए)। केंद्र सरकार गठन होने के बाद केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ के वित्तीय वर्ष 2024-2025 की 4761.30 करोड़ रुपए की जीएसटी राशि हस्तांतरण की गई है। जिस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ङ्क पर लिखा, केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ के वित्तीय वर्ष 2024-2025 की 4761.30 करोड़ रुपए की जीएसटी राशि हस्तांतरण की गई है।

केंद्र सरकार द्वारा मिली इन राशियों का उपयोग प्रदेशवासियों के हित

और यहां के विकास कार्यों के लिए किया जाएगा।आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का हृदय से आभार व्यक्त करता हूंकेंद्र की मोदी सरकार ने सत्ता में फिर से काबिज होते ही प्रदेश की सरकारों को बड़ी सौगात दी है। यह निर्णय लिया गया है कि जून 2024 के महीने के लिए नियमित जारी की जाने वाली हस्तांतरण धनराशि के अलावा, एक अतिरिक्त किस्त भी जारी की जाएगी। यह धनराशि चालू महीने में संचयी रूप से 1,39,750 करोड़ रुपए की है। यह राज्य सरकारों को विकास और पूंजीगत खर्च में तेजी लाने में सक्षम करेगी।

कांकेर लोकसभा के 4 मतदान केन्द्रों में फिर से होगी मतगणना

रायपुर,11 जून 2024(ए)। लोकसभा चुनाव के रिजल्ट के बाद कांकेर लोकसभा क्षेत्र में मतगणना को बवाल थम नहीं रहा है। कांकेर के 3 विधानसभा क्षेत्र के 4 मतदान केन्द्रों में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए दोबारा मतगणना की मांग कांग्रेस प्रत्याशी बिरेश ठाकुर ने की है। भाजपा के भोजराज नाग ने बिरेश ठाकुर को 1884 वोटों से हराया है। इसके बाद से इस हार को कांग्रेस प्रत्याशी स्वीकारने को तैयार नहीं है। इस वजह से उन्होंने केन्द्रीय चुनाव आयोग के निर्देश के तहत अपना संदेह जताते हुए आवेदन किया है। कांग्रेस प्रत्याशी ने नियम के तहत जीएसटी सहित एक लाख 80 हजार रुपए जमा कर दिया

है। बिरेश ठाकुर ने खुद इस बात की पुष्टि टीआरपी से की है।

डॉ. रमन सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के मंत्रियों के साथ की विशेष बैठक

रायपुर,11 जून 2024(ए)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज विधानसभा सचिवालय में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल तथा उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति में प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था तथा मेडिकल कालेजों की सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। विधानसभा अध्यक्ष ने प्रदेश के मेडिकल कालेजों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को लेकर चिंता जाहिर की और उनके मानदेय को बढ़ाने तथा उन्हें नियमित करने को लेकर जरूरी निर्देश दिए।

तोखन साहू ने राज्य मंत्री का पदभार संभाला

लोरमी,11 जून 2024(ए)। बिलासपुर लोकसभा के सांसद तोखन साहू को पीएम मोदी मंत्रिमंडल में नई जिम्मेदारी मिली है. उन्हें केंद्रीय राज्यमंत्री बनाया गया है. बता दें कि तोखन साहू पीएम मोदी सहित तमाम मंत्रिमंडल के साथ शपथ ग्रहण में शामिल हुए थे. वहीं आज उन्होंने अपने विभाग में पदभार ग्रहण किया

पदभार ग्रहण के दौरान तोखन साहू आवास एवं शहरी विकास

मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ अधिकारियों की बैठक में शामिल हुए. उन्होंने बैठक में कार्य योजनाओं की समीक्षा भी की. बता दें कि बिलासपुर सांसद तोखन साहू के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने से क्षेत्र सहित प्रदेश में खुशी की लहर है. साथ ही बिलासपुर से डोंगरगढ़ नई रेल परियोजना जल्द ही शुरू हो सकती है.

नक्सलियों के सप्लायर को सुकमा पुलिस ने किया गिरफ्तार

» जिलेटिन की छड़ समेत अन्य सामान हुआ बरामद

सुकमा,11 जून 2024(ए)। सुकमा पुलिस ने नक्सलियों के सप्लायर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़ा गया युवक शहर में रहकर नक्सलियों की मदद करता था। मामले के बारे में जानकारी देते हुए सुकमा पुलिस ने बताया कि 9 जून को एक संदिग्ध व्यक्ति द्वारा दोरनापाल से जगरगुण्डा की ओर नक्सलियों का सामान ले जाने की सूचना मिली थी, जिसके बाद थाना दोरनापाल से निरीक्षक शशिकांत सिन्हा, थाना प्रभारी दोरनापाल के साथ देवरपल्ली जंगल के पास एमसीपी की कार्रवाई कर रहे थे। एमसीपी कार्रवाई के दौरान संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया, संदिग्ध व्यक्ति से नाम-पता पूछने पर उसने अपना नाम कृष्ण कुमार कड़ती उर्फ जोगा (23 वर्ष), निवासी बोमेड़ थाना पामेड़ जिला बीजापुर का निवासी बताया।संदिग्ध के पास रखी प्लास्टिक की बोरी को चेक करने पर दो बंडल बिजली वायर, पांच नग इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, पांच मीटर कोर्डेक्स वायर, 20 नग जिलेटिन की छड़, पोलिबियान इंजेक्शन 10 नग, सात न्यूरोबियान इंजेक्शन, कॉटन पट्टी एक पैकेट, ग्लूकोज बॉटल समेत नक्सली साहित्य आदि बरामद किया गया। कड़ाई से पूछने पर नक्सलियों के लिए कमीशन के आधार पर शहरी सप्लायर का काम करने की बात कबूल की है।

छत्तीसगढ़ को 4761 करोड़ रुपए जारी

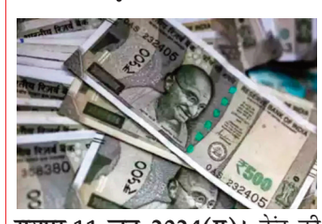

रायपुर,11 जून 2024(ए)। केंद्र की मोदी सरकार ने सत्ता में फिर से काबिज होते ही प्रदेश की सरकारों को बड़ी सौगात दी है। यह निर्णय लिया गया है कि जून 2024 के महीने के लिए नियमित जारी की जाने वाली हस्तांतरण धनराशि के अलावा, एक अतिरिक्त किस्त भी जारी की जाएगी। यह धनराशि चालू महीने में संचयी रूप से 1,39,750 करोड़ रुपए की है। यह राज्य सरकारों को विकास और पूंजीगत खर्च में तेजी लाने में सक्षम करेगी। अंतरिम बजट 2024-25 में राज्यों को करों के हस्तांतरण के लिए 12,19,783 करोड़ रुपए का प्रावधान है। जारी की गयी इस धनराशि के साथ, 10 जून, 2024 तक राज्यों को हस्तांतरित कुल राशि (वित्त वर्ष 2024-25 के लिए) 2,79,500 करोड़ रुपए है

टैक्स चोरी रोकने के लिए आईआईटी की मदद से बन रहा साफ्टवेयर

रायपुर,11 जून 2024(ए)। राज्य जीएसटी विभाग आइआइटी भिलाई व अन्य निजी एजेंसियों की मदद से एक ऐसा साफ्टवेयर बना रहा है, जिससे बड़ी मात्रा में टैक्स चोरी पकड़ में आ सकती है। इस साफ्टेवयर की मदद अलग-अलग व्यवसायिक क्षेत्रों में स्थापना से लेकर निर्माण व उत्पादन तक टैक्स की जानकारी फीड होगी, जो कि जीएसटी रिटर्न दाखिल करने के बाद व्यवसायियों के रिटर्न से मिलान किया जाएगा।

रजिस्टर्ड डीलर्स के जीएसटी रिटर्न से मिलान करने पर टैक्स चोरी पकड़ में आएगी। यह साफ्टवेयर विभागीय होगा। इसमें रजिस्टर्ड डीलर्स की पूरी कुंडली होगी। आइआइटी की मदद से इस साफ्टवेयर में सभी तरह के करयुक्त व्यवसायों के उत्पादों में लगने वाले सभी तरह के टैक्स की जानकारी होगी।

जीएसटी रिटर्न में धोखाधड़ी करने वाले डीलर्स के रिटर्न का पूरा ब्यौरा इस साफ्टवेयर में डाला जाएगा। अलग-अलग चरणों में टैक्स में कहां गड़बड़ी की गई यह सब इस साफ्टवेयर की मदद से पकड़ा जा सकेगा।

राज्य जीएसटी विभाग के अधिकारियों के मुताबिक इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) से लेकर अन्य प्रकार के छूट लेने वाले डीलरों को भी इस साफ्टवेयर की मदद से पकड़ा जा

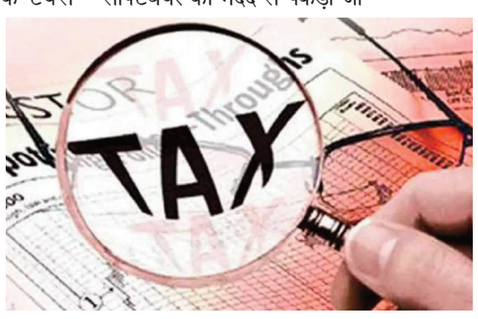

सकेगा,वहीं फर्जी ई-वे बिल से लेकर बोगस बिल के मामलों में भी यह साफ्टवेयर कारगर सिद्ध होने की उम्मीद जताई जा रही है।

अन्य विभागों के लिए बन रहा इंटेलिजेंस साफ्टवेयर

राज्य जीएसटी विभाग के अलावा अन्य विभागों में भी राजस्व हानि रोकने के लिए इंटेलिजेंस साफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग द्वारा एनजीडीआरएस साफ्टवेयर, खनिज विभाग की खनिज आनलाइन 2.0, जल संसाधन विभाग द्वारा राज्य जल सूचना केंद्र साथ ही वित्त विभाग द्वारा आइएफएमआइएस 2.0 बनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य बजट प्रस्तुत करने के दौरान वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बिजनेस इंटेलिजेंस यूनिट की घोषणा की थी, जिसके बाद राज्य जीएसटी ने साफ्टवेयर बनाने की कवायद शुरू की।

ईज आफ डूइंग बिजनेस भी

इस साफ्टवेयर की मदद से एक क्लिक पर डीलरों की जानकारी मिल पाएगी। राज्य जीएसटी के अधिकारियों के मुताबिक न सिर्फ निगरानी बल्कि डीलरों को रिफंड नहीं मिलने से लेकर समय-सीमा में कार्यों को पूरा करने को लेकर भी अधिकारियों को निर्देशित किया जाएगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)